नीतीश कुमार की जदयू ने नरेंद्र मोदी का समर्थन करने का फैसला कर लिया है। मोदी 3.0 सरकार में जदयू की अच्छी-खासी भूमिका देखने को मिल सकती है।जदयू ने तीन सांसदों को मंत्री बनाने की मांग रखी है। इस पर अब बीजेपी का भी जवाब आ गया है।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:176 दिनांक: 07-06-2024 शुक्रवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

राहुल गांधी ने शेयर बाजार में इलेक्शन रिजल्ट डे पर आई सुनामी को लेकर अटैक किया और कहा कि हिंदुस्तान के स्टॉक मार्केट की हिस्ट्री का सबसे बड़ा स्कैम है। इस मामले में जेपीसी (ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी) की मांग की है।

पीएम मोदी का शपथग्रहण 9 जून को

भाजपा के जीते मंत्री होंगे रिपीट, सहयोगी पार्टियों की मांग ने बढ़ाई चिंता, 14 सहयोगी दलों के 53 सांसदों को कैसे करेंगे खुश

-वाजपेयी जैसा दबाव मोदी पर भी... संसदीय पावरगेम में बड़ा अहम रोल होता है स्पीकर का

नई दिल्ली(ईएमएस)। एनडीए की नई सरकार का शपथग्रहण 9 जून को होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कुछ सांसद रविवार को शपथ लेंगे। इसको लेकर एनडीए में तैयारी शुरू हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, लोकसभा चुनाव में भाजपा के जीते सभी मंत्री इस बार भी रिपीट होंगे। विवाद से जुड़े चेहरों के नाम मंत्री पद की लिस्ट से काटे जा सकते हैं। दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के घर को अहम बैठक हुई। इसमें अमित शाह और राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। बैठक में नई सरकार बनाने, भाजपा और उसके सहयोगी दलों को मंत्रिमंडल में जगह देने और शपथ ग्रहण की तैयारियों समेत कई मुद्दों पर चर्चा की खबर है। उधर, खबर है कि एनडीए में लोकसभा अध्यक्ष को लेकर भाजपा, जदयू और टीडीपी में पावरगेम शुरू हो गया है।

गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में भाजपा को 240 सीटें मिली हैं। यह बहुमत के आंकड़े (272) से 32 सीटें कम हैं। हालांकि, एनडीए ने 293 सीटों के साथ बहुमत के आंकड़े को पार कर लिया। एनडीए में भाजपा के अलावा 14 सहयोगी दलों के 53 सांसद हैं। गठबंधन में चंद्रबाबू की टीडीपी 16 सीटों के साथ दूसरी और नीतीश की जदयू 12 सीटों के साथ तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है। दोनों ही पार्टियां इस वक्त भाजपा के लिए जरूरी हैं। इनके बिना भाजपा का सरकार बनाना मुश्किल है। इसको देखते हुए दोनों पार्टियों ने अपने सांसद को लोकसभा अध्यक्ष बनाने की मांग की है। वहीं भाजपा चाहती है की स्पीकर की कुर्सी उसके पास रहे

सदन हंग तो स्पीकर ही किंग...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अब सबका साथ चाहिए। क्योंकि 2014 और 2019 में तो भाजपा के पास बहुमत की 272 से ज्यादा सीटें थीं। लेकिन इस बार भाजपा की गाड़ी 240 पर अटक गई है। हालांकि, ये साफ हो गया है कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं और 9 जून को शपथ लेंगे। लेकिन तीसरी बार एनडीए की सरकार में नरेंद्र मोदी को जिन दो पार्टियों की सबसे ज्यादा जरूरत है, उनमें एक है तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के चंद्रबाबू नायडू और दूसरी है नीतीश कुमार की जेडीयू। इन दोनों पार्टियों के पास 28 सांसद हैं और पांच साल तक एनडीए की सरकार बनाए रखने के लिए इनका साथ जरूरी बन जाता है। नीतीश कुमार की जेडीयू और चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी, एनडीए सरकार में कई अहम पद चाहती हैं। नीतीश कुमार ने जहां चार सांसदों पर एक मंत्री का फॉर्मूला दिया है। तो वहीं टीडीपी ने सडक़ परिवहन, स्वास्थ्य और कृषि जैसे बड़े मंत्रालय मांगे हैं। इसके साथ ही टीडीपी की नजर लोकसभा स्पीकर की कुर्सी पर है। बताया जा रहा है कि टीडीपी लोकसभा स्पीकर का पद भी मांग रही है। इससे पहले वाजपेयी सरकार में भी टीडीपी ने लोकसभा का स्पीकर पद रखा था। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में टीडीपी के दिवंगत नेता जीएमसी बालयोगी लोकसभा के अध्यक्ष थे। अब जब टीडीपी एक बार फिर एनडीए में अहम भूमिका आई है तो उसकी नजरें फिर स्पीकर की कुर्सी पर टिक गई हैं।

एनडीए संसदीय दल की बैठक आज

नरेंद्र मोदी के लगातार तीसरे शपथ ग्रहण की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। जानकारी के अनुसार, नरेंद्र मोदी और समेत भाजपा और एनडीए के नेता शुक्रवार को राष्ट्रपति से मिलेंगे और सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। इससे पहले शुक्रवार को ही संसदीय दल की बैठक होगी, जिसमें नरेंद्र मोदी को संसदीय दल का नेता चुना जाएगा। नरेंद्र मोदी 9 जून को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं।

विदेशी शीर्ष नेताओं को किया आमंत्रित

शपथ ग्रहण समारोह में श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान और मारीशस के शीर्ष नेताओं को आमंत्रित किया गया है। बांग्लादेश की प्रधान मंत्री शेख हसीना और श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने की पुष्टि कर दी है। शपथ ग्रहण समारोह में नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल और भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक भी शामिल होंगे। मॉरीशस के पीएम प्रविंद जुगनाथ को भी आमंत्रित किए जाने की संभावना है। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के हवाले से बताया गया कि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति को शपथ ग्रहण समारोह के लिए आमंत्रित किया है और विक्रमसिंघे ने आमंत्रण स्वीकार कर लिया है। विक्रमसिंघे दिल्ली रवाना होने की तैयारी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से फोन पर बात हुई है।

कंगना रनोट को महिला सी आई एस एफ कर्मी ने थप्पड़ मारा

-महिला किसान आंदोलन को लेकर बयानबाजी से नाराज थीं

चंडीगढ़ (ईएमएस)। चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर भाजपा की नवनिर्वाचित सांसद कंगना रनोट को थप्पड़ मारने की खबर आ रही है। यह थप्पड़ एयरपोर्ट पर तैनात सीआईएसएफ की महिला सुरक्षाकर्मी की तरफ से मारा गया। इसका नाम कुलविंदर कौर बताया जा रहा है। गुरूवार को वह चंडीगढ़ एयरपोर्ट से दिल्ली मीटिंग में आ रही थी। तब यह वाक्या हुआ। यह कहा जा रहा है कि कंगना को थप्पड़ किसानों से जुड़े बयानों को लेकर मारा गया है।

सूत्रों के मुताबिक इस बारे में कंगना ने एयरपोर्ट पुलिस थाने में रिपोर्ट भी दर्ज कराई है। जिसके बाद सीआईएसएफ की कर्मचारी को हिरासत में ले लिया गया है। उससे अब थप्पड़ मारने को लेकर पूछताछ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक किसान आंदोलन को लेकर कंगना की पंजाब की महिलाओं पर टिप्पणी को लेकर दोनों के बीच कोई बहस हुई। जिसके बाद थप्पड़ मारने की नौबत आ गई। इसको लेकर एयरपोर्ट पर 10 से 15 मिनट तक हंगामा चलता रहा। इसके बाद कंगना विस्तारा

एक्ट्रेस कंगना रनौत के चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर थप्पड़ कांड के बाद उनका रिएक्शन सामने आया है। उन्होंने कहा कि मुझे मीडिया और शुभचिंतकों के फोन कॉल्स आ रहे हैं, आई एम सेफ। आज चंडीगढ़ में जो हादसा हुआ वो सिक्योरिटी चेक के दौरान हुआ। मैं सिक्योरिटी चेक करके जैसे ही निकली तो दूसरे केबिन में जो महिला थी जो सीआईएसएफ जवान थी। उन्होंने साइड से आकर मेरे फेस पर हिट किया। हालांकि मै सेफ हूं। उन्होने कहा कि एयरपोर्ट पर जो हादसा हुआ तो वहां सीआईएसएफ की महिला जवान ने मेरे फेस पर हिट किया और गालियां देने लगी। जब उनसे पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वो फार्मर प्रोटेस्ट को प्रमोट करती हैं।

बड़ा दावा......अजित गुट में हो सकती है फूट, 18 विधायक शरद गुट के संपर्क में

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद गुरुवार को चुनाव आयोग 18वीं लोकसभा की चुनाव प्रक्रिया पूरी होने की रिपोर्ट और नए सांसदों के नामों की सूची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपेगा। आयोग आधिकारिक तौर पर राष्ट्रपति को सूचित करेगा कि सबसे बड़ी पार्टी या मोर्चा गठबंधन कौन है, जिसके पास बहुमत है, और किसका सरकार बनाने का दावा आगे बढ़ रहा है। इसके बाद बहुमत दल के दावे पर राष्ट्रपति उस दल या गठबंधन के मनोनीत नेता को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करते हैं।

वहीं एनडीए की सहयोगी एनसीपी को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अपनी पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की है। दावा किया जा रहा है कि 10-15 एनसीपी विधायकों के शरद पवार के संपर्क में होने की संभावना है। रोहित पवार ने बड़ा दावा कर कहा कि अजित गुट के 12 नेता बीजेपी में शामिल होना चाहते हैं। 18 शरद पवार गुट के संपर्क में हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शपथ ग्रहण समारोह 9 जून को पुनर्निर्धारित किया गया है। पहले यह 8 जून को आयोजित होने वाला था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को एनडीए संसदीय बैठक में भाग लेने के लिए गुरुवार को दिल्ली पहुंच रहे है।

शेयर बाजार में अस्थिरता को राहुल गांधी ने बनाया मुद्दा

स्टॉक मार्केट में इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला, मोदी-शाह ने लोगों को इन्वेस्टमेंट करने को कहा, जनता के 30 लाख करोड़ डूबे ये घोटाला है, जेपीसी जांच हो

नई दिल्ली(ईएमएस)। शेयर बाजार में मंगलावर को चुनावी नतीजे वाले दिन जो तबाही मची थी उसमें निवेशकों के करीब 30 लाख करोड़ रुपए डूब गए थे। इस मामले को लेकर अब राहुल गांधी ने पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने शेयर बाजार में इलेक्शन रिजल्ट डे पर आई सुनामी को लेकर अटैक किया और एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि हिंदुस्तान के स्टॉक मार्केट की हिस्ट्री का सबसे बड़ा स्कैम है। उन्होंने इस मामले में जेपीसी (ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी) की मांग की है।

राहुल गांधी ने कहा कि पहले गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि आने वाली 4 जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे आएंगे, तो शेयर बाजार आसमान पर जाएगा। इसके तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शेयर बाजार में रिकॉर्ड तेजी आने की बात कहते हुए लोगों को शेयर खरीदने की सलाह दी और इसके तुरंत बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी इसी तरीके से शेयर बाजार में जोरदार उछाल की बात कही थी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी, अमित शाह और निर्मला सीतारमण को पहले से ही अनुमान था कि इस बार उन्हें 220 के आसपास सीटें मिल रही हैं, लेकिन फेक एग्जिट पोलों के जरिए लोगों में झूठ फैलाया गया। इसके बाद एग्जिट पोल के अनुमानों के तुरंत बाद शेयर बाजार ने ऐसी छलांग लगाई की सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए, लेकिन अगले ही पल 4 जून को खटाक से अंडरग्राउंड में चला गया।

राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव नतीजे से पहले शेयर बाजार में शानदार उछाल आया था, लेकिन लोकसभा चुनाव की मतगणना के दिन शेयर बाजार में भारी गिरावट हुई। उन्होंने कहा कि भारी गिरावट के कारण निवेशकों का 30 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ। ये पैसा 5 करोड़ रिटेल इन्वेस्टर्स का है। उन्होंने कहा कि इसकी जांच होनी चाहिए। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल गांधी ने ये सवाल पूछे। इसमें उन्होंने स्टॉक मार्केट क्रैस होने को एक क्रिमिनल एक्ट करार देते हुए पूछा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता को निवेश की सलाह क्यों दी? 5 करोड़ परिवारों को स्टॉक्स खरीदने के लिए क्यों कहा गया? बता दें, 3 जून शेयर बाजार में तगड़ी तेजी आई थी। लगभग सभी एग्जिट पोल में भाजपा की बंपर जीत दिखाई गई थी। लेकिन अगर दिन यानी 4 जून को बाजार में तेज गिरावट देखने को मिली थी। क्योंकि परिणाम एग्जिट पोल के मुताबिक नहीं थे, और भाजपा अपने दम पर बहुमत से दूर रह गई थी।

राहुल गांधी ने प्रेसवार्ता कर सवाल किया कि प्रधानमंत्री ने देश की जनता को निवेश की सलाह क्यों दी? क्यों गृह मंत्री ने उन्हें स्टॉक खरीदने का आदेश दिया? दोनों जो इंटरव्यू किए गए। ये अदाणी जी के चैनल को दिए गए। उन पर पहले ही सेबी की जांच बैठी है तो उस पर जांच होनी चाहिए। मोदीजी के ये जो फेक इन्वेस्टर हैं और जो विदेशी निवेशक हैं। इनके बीच क्या रिश्ता है और अगर रिश्ता है तो इसकी जांच होनी चाहिए। इसे लेकर हमारे पास सवाल हैं। हम इस घोटाले को लेकर जेपीसी की मांग करते हैं। इस पूरे मामले में निवेशकों ने करोड़ों गंवाए हैं। यह एक आपराधिक कार्य था। अडाणी का कनेक्शन हो सकता है

एक सवाल के जवाब में राहुल ने कहा कि इस स्कैम में अडाणी का कनेक्शन हो सकता है। इसमें भाजपा के सबसे बड़े नेताओं को रिटेल इन्वेस्टर को मैसेज दिया है कि आपको स्टॉक खरीदना चाहिए। उनके पास गलत एग्जिट पोल होने की जानकारी थी। उनके पास जानकारी थी कि भाजपा को बहुमत नहीं मिल रहा और वो जानते थे कि 4 जून को क्या होने वाला है? इस सबसे लोगों का 30 लाख करोड़ रुपए डूब गया है। हजारों-लाखों करोड़ रुपए का चुने हुए लोगों को फायदा हुआ है। इसी वजह से हम जांच चाहते हैं। ये एक बड़ा इशु है और अडाणी मामले से बड़ा केस है। हालांकि ये दोनों केस एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। हालांकि इसकी जांच होनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने शेयर मार्केट खरीदने की सलाह दी थी। ये इतिहास में पहली बार हुआ है कि प्रधानमंत्री स्टॉक मार्केट पर अपनी राय दिए हैं। उन्होंने कई बार इस बात को दोहराया।

जदयू की मांगें मंजूर नहीं, अब भाजपा छोटे दलों पर डाल रही डोरे

नई दिल्ली,(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम किसी दल को पूर्ण बहुमत वाले नहीं मिले हैं, इससे नई सरकार को लेकर पल-पल समीकरण बदलते नजर आ रहे हैं। भाजपा बहुमत से पीछे है, लेकिन एनडीए के पास जादुई आंकड़ा 272 से ज्यादा सीटें हैं। संगठन के सहयोगी अब अपनी शर्त पर सरकार बनाने को तैयार होने की बात कह रहे हैं।

बहरहाल भाजपा खासतौर पर नरेंद्र मोदी आगामी सरकार बनाने की कवायद में दिन-रात लगे हुए हैं। चूंकि इस चुनाव में नीतीश कुमार और नायडू किंगमेकर बनकर उभरे हैं, अतः उन पर सभी की निगाहें हैं। दोनों ही नेताओं के बयानों और शर्तों को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं। दरअसल चर्चा इस बात को लेकर है कि सरकार में शामिल होने से पहले ही जेडीयू ने अपनी शर्तें रख दी हैं।

लोकसभा चुनाव में भाजपा को झटका, संगठन में वापस लौट सकते हैं शाह

अहमदाबाद (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरी बार आठ जून को शपथ ग्रहण कर सकते हैं। इसके पहले उन्हें एनडीए संसदीय दल का नेता चुनाव जाएगा, लेकिन मोदी 3.0 में अमित शाह केंद्रीय गृह मंत्री की भूमिका में सस्पेंस की स्थिति है। पार्टी सूत्रों के अनुसार गांधीनगर से बड़ी जीत हासिल करने वाले शाह फिर संगठन में लौट सकते हैं। अक्टूबर-नवंबर में देश के तीन बड़े राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके बाद बीजेपी के संगठन को मजबूत बनाने के लिए वह फिर पुरानी भूमिका में दिख सकते हैं। जिन राज्यों में चुनाव होना है। उसमें महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड शामिल हैं।

सूत्रों के मुताबिक मोदी 3.0 में गृह विभाग की जिम्मेदारी किस दूसरे ताकतवार नेता को दी जा सकती है। एनडीए की पहले की सरकारों में अहम विभाग सहयोगियों के पास रहे हैं। इतना ही लोकसभा अध्यक्ष का पद भी सहयोगियों के पास रह चुका है। अब देखना यह है कि पार्टी एक्टेंशन पर चल मौजूदा अध्यक्ष जेपी नड्डा के कार्यकाल और आगे बढ़ाने का रिस्क लेती है या फिर शाह फिर से अध्यक्ष बनते हैं। गुजरात में बीजेपी संगठन में लंबे समय से बदलाव लंबित है। पिछले 10 सालों में पहली बार गुजरात में भी कांग्रेस ने सेंध लगाई है। इसके बाद संगठन में बड़ी सर्जरी का काम शाह संभाल सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के तीसरी बार शपथ लेने का रास्ता साफ है, लेकिन बीजेपी के अंदर पहले जैसा जश्न नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी के गृह राज्य गुजरात में थोड़ी मासूसी है। इसके बाद संभावना जाहिर की जा रही है कि शाह पार्टी को मजबूत बनाने का काम खुद संभाल सकते हैं। वह पूर्व में 2014 से 2020 तक पार्टी अध्यक्ष की कमान संभाल चुके हैं। वे राजनाथ सिंह के बाद पार्टी के अध्यक्ष बने थे। अभी तक बीजेपी में सिर्फ पूर्व डिप्टी पीएम लालकृष्ण आडवाणी ने तीन बार बीजेपी अध्यक्ष की कमान संभाली है। गांधीनगर से शाह ने 7.44 लाख वोटों से जीत हासिल की है। गांधीनगर से यह अब तक की सबसे ज्यादा वोटों से जीत है। शाह 2019 में पहली बार गांधीनगर से लड़े थे।

मोदी के पहले कार्यकाल में इस जिम्मेदारी को राजनाथ सिंह ने संभाला था। दूसरे कार्यक्रम शाह गृह मंत्री बने थे और फिर धारा 370 हटाने सहित तमाम बड़े फैसले लिए थे। शाह अपनी एक अलग शैली से काम करने के लिए जाने जाते हैं। नए गृह मंत्री के तौर पर संभावित नेताओं में सबसे आगे शिवराज सिंह चौहान का नाम है।चर्चा है कि वे इस जिम्मेदारी को संभाल सकते हैं। चौहान मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद केंद्र में भूमिका के लिए काफी समय से तैयार हैं।

परिवार के 4 लोगों समेत 5 को फांसी की सजा

सहारनपुर (ईएमएस)। सहारनपुर में वकील कर्मवीर सिंह (35) की हत्या में 5 दोषियों को जिला कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। 9 साल पहले 26 दिसंबर 2015 को कार रोककर कर्मवीर सिंह की चाकू से गोदकर हत्या की गई थी। जस्टिस महेश कुमार की कोर्ट ने गुरुवार को हत्याकांड में अमरजीत बत्रा (71), भूपेंद्र बत्रा (64), गुरुप्रताप सिंह उर्फ हनी (34) गुरनीत सिंह उर्फ सनी (36) और गुरमीत सिंह उर्फ राजू (59) को फांसी की सजा सुनाई है।

एक देश, एक चुनाव में साथ.....यूसीसी को लेकर हमारा पुराना रुख कायम , अग्निवीर योजना में बदलाव जरुरी-जेडीयू

पटना (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के बाद एनडीए की सहयोगी पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने बड़ा बयान देकर कहा है कि यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) पर हमारा रुख आज भी पहले जैसा है। जेडीयू महासचिव और प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा कि हमारी पार्टी ने पहले भी कहा था कि इस मामले पर सभी स्टेट होल्डर को साथ लेकर उनके विचारों को समझने की जरूरत है।

वहीं वन नेशन, वन इलेक्शन का समर्थन कर त्यागी ने कहा कि जहां तक एक देश एक चुनाव की बात है हम उसके समर्थन में हैं। वहीं अग्निवारी योजना का जिक्र कर त्यागी ने कहा कि अग्नि वीर योजना को लेकर के बहुत विरोध हुआ था और चुनाव में भी उसका असर देखने को मिला हैं। इस योजना पर फिर से विचार करने की जरूरत है।

त्यागी ने कहा, हम एनडीए के मजबूत हिस्सेदार के रूप में सामने आए हैं। हम एनडीए सरकार में कई अहम मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। हम लंबे समय से मांग कर रहे हैं कि अगर बिहार से पलायन रोकना है, तब बिहार को बविशेष राज्य का दर्जा देना चाहिए।

अमृतसर के गोल्डन टेंपल में लगे खालिस्तानी नारे

ऑपरेशन ब्लू स्टार की 40वीं बरसी पर भिंडरांवाले के पोस्टर, तलवारें लहराईं

अमृतसर(ईएमएस)। पंजाब में गुरूवार को ऑपरेशन ब्लू स्टार की 40वीं बरसी मनाई गई। इसके लिए अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल में काफी संख्या में सिख समुदाय के लोगों की भीड़ जमा हुई। यहां भीड़ ने हाथों में तलवारें लहराते हुए खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए। हाथ में ऑपरेशन ब्लू स्टार में मारे गए जरनैल सिंह भिंडरावाले के पोस्टर लेकर उसके समर्थन में भी नारे लगाए।

पंजाब में 2 दिन पहले आए लोकसभा चुनाव परिणाम में 2 खालिस्तान समर्थक रिकॉर्ड वोटों से जीते। इनमें असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद खालिस्तान समर्थक अमृतपाल और इसी ऑपरेशन ब्लू स्टार के विरोध में पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की हत्या करने वाले उनके सिक्योरिटी गार्ड बेअंत सिंह का बेटा सर्बजीत सिंह खालसा शामिल है।

गोल्डन टेंपल में अमृतपाल की मां और फरीदकोट से सांसद चुने गए सर्बजीत खालसा भी पहुंचे। अमृतपाल की मां बलविंदर कौर पहले ही वहां से चली गईं, लेकिन सांसद खालसा गोल्डन टेंपल में रुके रहे।

बरसी को देखते हुए पुलिस भी हाई अलर्ट पर रही। अमृतसर में पैरामिलिट्री और पुलिस की सुरक्षा तैनात की गई। इस दौरान अमृतसर के बाजार बंद रहे। सिखों के सर्वोच्च श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघवीर सिंह के संबोधन के बाद समागम को खत्म कर दिया गया। जिसके बाद गोल्डन टेंपल में जमा भीड़ वापस लौट गई।

यूपी में मायावती ने बचाई बीजेपी की लाज

-बसपा उम्मीदवार को जीत के अंतर से ज्यादा मिले वोट

लखनऊ,(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव 2024 में उत्तरप्रदेश में बसपा को एक भी सीट हासिल नहीं हुई है। कई बार यूपी की मुख्यमंत्री रहीं मायावती की पार्टी का यह हाल देख उनके समर्थकों में मायूसी है, लेकिन उन्होंने इस लोकसभा चुनाव में अपने लिए कुछ करने से ज्यादा विरोधियों को नुकसान पहुंचाया है। इस बार 16 सीटों पर उनके उम्मीदवारों को मिले वोट उन सीटों पर जीत-हार के अंतर वाले से वोट काफी ज्यादा हैं। ऐसे में इन 16 सीटों पर मायावती ने सीधे पर तौर अपने विरोधियों को नुकसान पहुंचाया है। अब सवाल यह है कि उन्होंने किस पार्टी को ज्यादा बीजेपी या इंडिया ब्लॉक को नुकसान पहुंचाया?

अगर चुनावी आंकड़ों पर नजर डाले तो चुनाव आयोग की वेबसाइट के मुताबिक इन 16 में से 14 सीटों पर बीजेपी को जीत मिली जबकि दो सीटों पर उसकी सहयोगी रालोद और अपना दल (सोनेवाल) के उम्मीदवारों को जीत मिली। अब सवाल यह है कि अगर ये सीटें इंडिया ब्लॉक के खाते में चली जातीं तो क्या होता?

बीजेपी 33 से घटकर 19 सीटों पर रह जाती। वो भी बिना बसपा-सपा गठबंधन के। इन दोनों दलों के बीच 2019 के चुनाव में गठबंधन हुआ था बावजूद इसके बीजेपी को 62 सीटें मिली थीं।

दरअसल, इस चुनाव में इंडिया ब्लॉक, बसपा के कोर वोटर्स को यह समझाने में सफल रहा है कि बीजेपी के खिलाफ मायावती का रुख आक्रामक नहीं है। इस कारण तमाम सीटों पर मायावती का वोट बैंक इंडिया ब्लॉक की ओर शिफ्ट हो गया, जिन 16 सीटों पर मायावती के उम्मीदवार जीत के अंतर से ज्यादा वोट पाने में कामयाब हुए हैं वहां इसका सीधा फायदा बीजेपी और उसके सहयोगी दलों को हुआ है। अगर ये उम्मीदवार प्रभावी नहीं होते और इंडिया ब्लॉक अन्य सीटों की तरह यहां के वोटरों के समझाने में कामयाब हो जाता कि मायावती मजबूती से बीजेपी का विरोध नहीं कर रही हैं तो स्थिति अलग हो सकती थी।

यह बात सही है कि राजनीति में हमेशा दो और दो चार नहीं होते लेकिन, इस चुनाव में जिस तरह से मायावती के वोटर्स इंडिया ब्लॉक के साथ चले गए उसको देखते हुए कहा जा सकता है कि बसपा सुप्रीमो ने बीजेपी की लाज बचाने में मदद की है, जिन सीटों पर बसपा के उम्मीदवारों की वजह से बीजेपी को जीत मिली वे सीटें हैं- अकबरपुर, अलीगढ़, अमरोहा, बांसगांव, भदोही, बिजनौर, देवरिया, फर्रुखाबाद, फतेहपुर सिकरी, हरदोई, मेरठ, मिर्जापुर, मिसरिख, फूलपुर, शाहजहांपुर और उन्नाव। इन सभी सीटों पर बीजेपी को जीत बसपा के वोट काटने की वजह से मिली है।

नायडू 12 जून को सीएम पद की शपथ लेंगे

अमरावती (ईएमएस)। तेलुगु देशम पार्टी अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू 12 जून को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। समारोह अमरावती में होगा। इसमें नरेंद्र मोदी और नए केंद्रीय कैबिनेट के कई मंत्री शामिल होंगे। सूत्रों के मुताबिक, चंद्रबाबू नायडू शपथ ग्रहण के दिन अमरावती को राज्य की राजधानी बनाने का ऐलान कर सकते हैं। 2 जून को हैदराबाद को तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की संयुक्त राजधानी रखने के लिए 10 साल का कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया। अभी आंध्र देश का एकमात्र ऐसा राज्य है, जिसकी कोई राजधानी नहीं है। चंद्रबाबू नायडू चौथी बार राज्य के मुख्यमंत्री बनने जा रहे है। इससे पहले उन्होंने 1 सितंबर 1995, 11 अक्टूबर 1विनोद उपाध्याय / 06 जून, 2024 और 8 जून 2014 को तीन बार ष्टरू पद की शपथ ली थी।

एमू पैसेंजर ट्रेन में भीषण आग, कई डिब्बों आग की चपेट में

लखीसराय (ईएमएस)। बिहार के पटना-हावड़ा रेलवे रूट के किऊल जंक्शन पर एमू पैसेंजर ट्रेन में भीषण आग लगने से ट्रेन के कई डिब्बे आग की चपेट में आ गए। इस घटना के बाद किऊल जंक्शन पर अफरा-तफरी मच गई, आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची। रेलकर्मियों की मदद से समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। हादसे में किसी भी यात्री को नुकसान नहीं पहुंचा है। हादसे में किसी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है।

रिपोर्ट के मुताबिक, किऊल जंक्शन पर खड़ी एमू ट्रेन में जैसे ही आग लगी, देखते ही देखते 3 बोगियां उसकी चपेट में आ गई। इस दौरान ट्रेन पर सवार यात्रियों ने कूद कर अपनी जान बचाई। ऐसे में स्टेशन पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया।

हादसे के कई वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किए जा रहे हैं। वीडियो में आग की लपटें स्टेशन से दूर तक देखी जा सकती हैं। धुएं का गुबार भी देखा जा सकता है। सुरक्षा के लिहाज से आनन-फानन में प्लेटफॉर्म को खाली करा लिया गया है।

महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी की एक सीट बढ़ी, देश में कांग्रेस का शतक

मुंबई, (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव में 99 सीटें जीतकर अब कांग्रेस ने अपना शतक पूरा कर लिया है. इंडिया अलायंस ने देश में लोकसभा की 233 सीटें जीतीं, जिनमें से कांग्रेस के पास 99 सीटें थीं। इस बीच महाराष्ट्र के सांगली से निर्दलीय उम्मीदवार विकास पाटिल ने कांग्रेस को समर्थन देने का ऐलान किया है. महाविकास अघाड़ी में अपनी उम्मीदवारी पर विवाद के चलते विशाल पाटिल ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा और जीत हासिल की. इसके बाद गुरुवार को उन्होंने दिल्ली जाकर अपना समर्थन पत्र कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को सौंप दिया है. जिसके बाद कांग्रेस ने देश में शतक पूरा कर लिया है. मालूम हो कि महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी ने 30 और महायुति ने 17 सीटों पर जीत हासिल की है. कांग्रेस ने सबसे ज्यादा 13 सीटें जीतीं. महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की पार्टी ने 9 और शरद पवार की पार्टी एनसीपी ने 8 सीटें जीतीं, विशाल पाटिल के समर्थन से कांग्रेस को अब 14 सीटों पर जीत मिली है. एक कांग्रेस नेता ने बताया कि लोकसभा चुनाव में जीत के बाद विशाल पाटिल गुरुवार सुबह कांग्रेस नेता विश्वजीत कदम के साथ दिल्ली के लिए रवाना हुए. विशाल पाटिल और विश्वजीत कदम ने दिल्ली में मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की और विशाल पाटिल ने कांग्रेस को अपना समर्थन पत्र सौंपा. दरअसल लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार तय करते वक्त महाविकास अघाड़ी में सांगली की सीट को लेकर विवाद हो गया था. उद्धव ठाकरे गुट द्वारा चंद्रहार पाटिल के नाम की घोषणा पर कांग्रेस ने नाराजगी जताई थी. इसके बाद विश्वजीत कदम ने भी सार्वजनिक तौर पर विरोध जताया था. सांगली में एक सार्वजनिक बैठक में उद्धव ठाकरे ने चंद्रहार पाटिल के नाम की घोषणा की थी. सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप नहीं दिए जाने के बावजूद उद्धव ठाकरे की घोषणा से महाविकास अघाड़ी के सहयोगी नाराज हो गए। कांग्रेस नेताओं के सार्वजनिक तौर पर नाराजगी जताने के बाद शिवसेना सांसद संजय राउत ने उन्हें जवाब दिया. बाद में कांग्रेस ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चंद्रहार पाटिल के नाम पर मुहर भी लगा दी. लेकिन इससे विशाल पाटिल के समर्थक नाराज हो गये. सांगली में पार्टी की ताकत के बावजूद विशाल पाटिल को टिकट नहीं दिए जाने से वहां खुली नाराजगी का ऐलान किया गया. इसके बाद विशाल पाटिल ने ऐलान किया कि वह निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे. इस बीच, जैसे ही सांगली सीट के नतीजे घोषित हुए, शिवसेना ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने कहा कि सांगली को लेकर हमसे गलती हुई. विशाल पाटिल निर्दलीय होते हुए भी हमारे हैं. वे हमारा समर्थन करेंगे. विकास पाटिल सांगली में महाविकास अघाड़ी के उम्मीदवार चंद्रहार पाटिल और बीजेपी उम्मीदवार संजय काका पाटिल को हराया है. विशाल पाटिल 1 लाख 1 हजार 94 वोटों से चुनाव जीते.

सुनीता विलियम्स तीसरी बार अंतरिक्ष के लिए रवाना

वाशिंगटन (ईएमएस)। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स एक अन्य सहकर्मी के साथ तीसरी बार अंतरिक्ष के लिए रवाना हुईं। साथ ही दोनों ने बोइंग कंपनी के स्टारलाइनर यान से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जाने वाले पहले सदस्य बनकर इतिहास बना दिया। विलियम्स और बुच विल्मोर को लेकर बोइंग का 'क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन' कई बार के विलंब के बाद फ्लोरिडा के 'केप कैनवेरल स्पेस फोर्स स्टेशन' से रवाना हुआ। विलियम्स ने इस तरह के मिशन पर जाने वाली पहली महिला के रूप में भी इतिहास रचा। वर्ष 2012 में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा के दौरान विलियम्स अंतरिक्ष में 'ट्रायथलॉन' पूरा करने वाली पहली व्यक्ति बनी थीं।

विलियम्स मई 1987 में अमेरिकी नौसैन्य अकादमी से प्रशिक्षण लेने के बाद अमेरिकी नौसेना से जुड़ी थीं। विलियम्स को 1998 में नासा द्वारा अंतरिक्ष यात्री के रूप में चुना गया था और वह दो अंतरिक्ष अभियानों-2006 में अभियान 14/15 तथा 2012 में 32/33 अभियानों का हिस्सा बनीं। विलियम्स और विल्मोर की यात्रा में 25 घंटे लगने की उम्मीद है। यान गुरुवार को अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचेगा। वे अंतरिक्ष में घूमती प्रयोगशाला में एक सप्ताह से अधिक समय बिताएंगे और इसके बाद 14 जून को वापसी के लिए पश्चिमी अमेरिका के एक दूरस्थ रेगिस्तान में उतरने के वास्ते स्टारलाइनर यान में फिर से सवार हो जाएगें।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव केंद्रीय राजनीति में देंगे योगदान

-विधायक पद से देंगे इस्तीफा, चाचा शिवपाल को बनाएंगे नेता प्रतिपक्ष

लखनऊ,(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन कर यूपी में सबसे ज्यादा सीटें जीतने के बाद समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव अब केंद्रीय राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। सूत्रों के मुताबिक कन्नौज से सांसद चुने जाने के बाद अखिलेश यादव उत्तरप्रदेश विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे सकते हैं। इतना ही नहीं वह अपने चाचा शिवपाल यादव को नेता प्रतिपक्ष बना सकते हैं।

बता दें कि अखिलेश यादव मैनपुरी की करहल विधानसभा सीट से वर्तमान में विधायक हैं और अब वे कन्नौज से लोकसभा का चुनाव जीत कर सांसद बन गए हैं। नियम के मुताबिक अखिलेश यादव को किसी एक पद से इस्तीफा देना होगा। अगर वे विधायकी से इस्तीफा देते हैं तो उनकी जगह करहल सीट से तेज प्रताप यादव को चुनाव लड़ाया जा सकता है। यूपी में लोकसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन के बाद अखिलेश यादव केंद्रीय राजनीति में अपने दखल को बढ़ाएंगे।

दरअसल, अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी देश में तीसरी सबसे बड़े पार्टी के रूप में उभरकर सामने आई है। सपा ने 2024 के लोकसभा चुनाव में 37 सीटों पर जीत दर्ज की है। साथ ही उसका वोट प्रतिशत 33 फ़ीसदी से ज्यादा है। यूपी में सबसे बड़ा झटका सत्ता पर काबिज बीजेपी को लगा है। पार्टी प्रदेश में 62 सीटों से घटकर 33 पर पहुंच गई है।

जन हितैषी

भारत के राष्ट्रीय राजनीतिक दल?

2024 के लोकसभा चुनाव संपन्न हो गए हैं। चुनाव परिणाम भी आ गए हैं। जो चुनाव परिणाम आए हैं। उनमें 12 राज्यों में कांग्रेस का एक भी सांसद चुनाव नहीं जीता है। वहीं नौ राज्यों में भारतीय जनता पार्टी का एक भी सांसद चुनाव नहीं जीत पाया है। कांग्रेस और भाजपा दोनों ही राष्ट्रीय राजनीतिक दल होने का दम भरते हैं। पिछले कई चुनाव में कांग्रेस पिछड़ती जा रही थी। पिछले दो लोकसभा चुनाव से भारतीय जनता पार्टी ने देश के कई राज्यों में अपनी पहुंच बनाई थी। 2024 आते आते तक कोई भी ऐसा राष्ट्रीय राजनीतिक दल नहीं है। जिसे संसद में सभी राज्यों का प्रतिनिधित्व प्राप्त हो। भारतीय जनता पार्टी को दक्षिण के सबसे बड़े राज्य तमिलनाडु में एक भी सीट हासिल नहीं हुई है। पांडिचेरी में भाजपा गठबंधन की सरकार होते हुए भी, वह लोकसभा के चुनाव में एक भी उम्मीदवार नहीं जिता पाई । सीमावर्ती राज्य पंजाब में भी भाजपा को एक भी सीट नहीं मिली। पूर्वोत्तर राज्यों में मणिपुर नगालैंड और सिक्किम में भाजपा खाता नहीं खोल पाई है। केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में भी इस बार भारतीय जनता पार्टी का सफाया हो गया है। भारतीय जनता पार्टी को, नौ राज्यों में एक भी लोकसभा की सीट हासिल नहीं हुई है। स्वतंत्रता आंदोलन की पार्टी कांग्रेस भी पिछले तीन दशक से राष्ट्रीय स्तर पर काफी कमजोर होती जा रही है। नेताओं वाली पार्टी कांग्रेस को, 2014 और 2019 की तुलना में 2024 के चुनाव में बड़ी सफलता मिली है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा और भारत न्याय यात्रा के माध्यम से कांग्रेस को पुनर्जीवित करने का प्रयास जरूर किया है। इस चुनाव में उसका लाभ कांग्रेस को मिला है। देशभर के विभिन्न राज्यों के सैकड़ो कांग्रेस नेता और हजारों कार्यकर्ता चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। कई राज्यों में कांग्रेस का संगठन नहीं होने तथा राज्यों की अलग-अलग समस्याओं से कांग्रेस का कोई सीधा संबंध नहीं रह गया था। कांग्रेस और भाजपा के कमजोर होने का लाभ चुनाव मे क्षेत्रीय दलों को मिला। कई राज्यों में क्षेत्रीय दल भाषा और प्रांतीय संस्कृति के कारण बहुत मजबूत हैं। उन राज्यों में कांग्रेस और भाजपा मजबूत स्थिति में नहीं है। कांग्रेस को जिन 12 राज्यों में सफलता नहीं मिली है। उसमें मध्य प्रदेश, हिमाचल, आंध्र प्रदेश, उत्तराखंड जैसे राज्य भी शामिल हैं। कांग्रेस इन राज्यों में बहुत मजबूत स्थिति में हुआ करती थी। आंध्र प्रदेश को छोड़ दें, तो कांग्रेस और भाजपा का सीधा मुकाबला उक्त राज्यों में होता था। इन राज्यों से कांग्रेस का एक भी सांसद जीत कर नहीं आ पाया। कांग्रेस का इस बार मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, हिमाचल, उत्तराखंड, त्रिपुरा सहित एक दर्जन राज्यों से कांग्रेस का कोई भी सांसद लोकसभा नहीं पहुंचा है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है। इसमें राष्ट्रीय दलों की भूमिका सर्वोपरि होती है। संघीय व्यवस्था के अनुसार क्षेत्रीय दलों का भी अपना महत्व है। लोकसभा में यदि राष्ट्रीय दल सभी राज्यों से अपना सांसद लेकर लोकसभा नहीं पहुंचते हैं। ऐसी स्थिति में राष्ट्रीय विचारधारा एवं राष्ट्र निर्माण को लेकर बहुत सारी विसंगतियां पैदा होती हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो और भारत न्याय यात्रा के माध्यम से उन्होंने कांग्रेस पार्टी को राष्ट्रीय परिदृश्य में लाने का प्रयास किया है। संगठन का अभाव होने के बाद भी उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर लोगों के बीच राष्ट्रीय स्तर छवि बनाई है। पिछले 30 वर्षों से कांग्रेस पार्टी जिस तरह जनता से दूर होती जा रही थी। उस कमी को दूर करने में कुछ समय लग सकता है। राष्ट्रीय स्तर के राजनीतिक दलों से अपेक्षा की जाती है। सभी राज्यों को जोड़ने के लिए राष्ट्रीय हित में राष्ट्रीय दलों की भूमिका अति महत्वपूर्ण है। क्षेत्रीय दल अपने प्रादेशिक हितों को ध्यान में रखते हुए राजनीति करते हैं। ऐसी स्थिति में केंद्र एवं राज्य के बीच में समन्वय बनाए रखने मे राष्ट्रीय राजनीतिक दलों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। 1989 से लेकर 2014 तक भारत में गठबंधन की सरकारें थी। इसमें क्षेत्रीय दलों का भी प्रतिनिधित्व केंद्र में था। केंद्र एवं राज्यों के बीच बेहतर संबंध थे। 2014 से 2024 के बीच में केंद्र में भाजपा की स्पष्ट बहुमत की सरकार रही है। भाजपा क्षेत्रीय दलों को खत्म करके उनका स्थान लेना चाहती थी। यही गलती किसी जमाने में कांग्रेस ने भी की थी। जिसके कारण क्षेत्रीय दल काफी मजबूत हुए। संघीय व्यवस्था,संवैधानिक संस्थाओं के अधिकार, केंद्र एवं राज्यों के अधिकार को लेकर पिछले 10 वर्षों में केन्द्र एवं राज्यों के बीच टकराव बढा है। 2024 के लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद केंद्र में एक बार फिर गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। निश्चित रूप से राष्ट्रीय राजनीतिक दल भाजपा और कांग्रेस की जिम्मेदारी है। वह क्षेत्रीय दलों को अपने साथ लेकर चलें। क्षेत्रीय दलों को राष्ट्रीय जिम्मेदारी का बोध करायें। संविधान मे केंद्र एवं राज्यों की जो संघीय व्यवस्था है। उसे मजबूत बनाने की दिशा में काम करें। इससे भारत मजबूत होगा। शासन और प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ेगा। राजनीतिक दलों और राजनेताओं की जिम्मेदारी भी तय होगी।

रोकनी होगी भोजन की बर्बादी?

(7 जून विश्व खाद्ध सुरक्षा दिवस)

रोटी, कपड़ा और मकान मनुष्य की मूलभूत आवश्यकताएं मानी जाती है। जिसके बिना मनुष्य का जीवन बहुत मुश्किल है। इसमें रोटी सबसे महत्वपूर्ण है। क्योंकि रोटी के बिना तो मनुष्य जिन्दा भी नहीं रह सकता है। खाद्य सुरक्षा का उद्देश्य यह सुनिश्चित किया जाना है कि हर व्यक्ति को पर्याप्त मात्रा में सुरक्षित और पौष्टिक भोजन मिल सके। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार दुनिया में हर दस में से एक व्यक्ति दूषित भोजन का सेवन करने से बीमार पड़ जाता है। जो कि सेहत के लिए एक बड़ा खतरा है। कोरोना महामारी के संक्रमण को देखते हुए इस बार विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस संक्षिप्त रूप में मनाया जाएगा। जिसमें लोगों को सेहत से जुड़े मुद्दों पर ऑनलाइन एक-दूसरे के साथ बातचीत करने का मौका मिलेगा।

इस बार हम छठवां विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मना रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार इससे खाद्य सुरक्षा लेकर लोगों में जागरूकता फैलाई जा सकती है और विश्व स्तर पर खाद्य पदार्थों से होने वाली बीमारियों को भी ध्यान में लाया जा सकता है। इस दिन को मनाने के पीछे खाद्य सुरक्षा के प्रति लोगो को जागरूक करने का उद्देश्य था। जो खराब भोजन का सेवन करने की वजह से गंभीर रोगों के शिकार बन जाते हैं।

भोजन की कमी व दूषित भोजन खाने से प्रतिवर्ष हजारों लोगों की जान चली जाती है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व स्वास्थ्य संगठन और खाद्य और कृषि संगठन को दुनिया भर में खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों का नेतृत्व करने और पौष्टिक खाने के प्रति लोगों को जागरुक करने की जिम्मेदारी दी है। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दिसंबर 2018 में पहली बार खाद्य और कृषि संगठन के सहयोग से विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया था। इसके बाद पहली बार 7 जून 2019 में विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया गया था। तब से हर वर्ष 7 जून को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया जाने लगा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पूर्व में अपने मन की बात कार्यक्रम में देश की जनता से बात करते हुए लोगों से खाने की बर्बादी रोकने की अपील की थी। उन्होने कहा कि ऐसा करना गरीबों के साथ अन्याय व समाजद्रोह है। प्रधानमंत्री ने कहा था कि आपने कभी सोचा है कि हम जो जूठन छोड़ देते हैं। उससे हम कितने गरीबों का पेट भर सकते है? उन्होने कहा था कि इस पर सामाजिक जागरूकता बढनी चाहिए।

भारत में अनाज को अन्नदेव का दर्जा प्राप्त है। यही कारण है कि हमारे देश में भोजन झूठा छोडना या उसका अनादर करना पाप माना जाता है। मगर आधुनिकता के चक्कर में हम अपने पुराने संस्कार भूल गए हैं। हमारे यहां शादियों, उत्सवों या त्यौहारो में होने वाली भोजन की बर्बादी से हम सब वाकिफ हैं। इसके उपरांत भी हम इन अवसरों पर ढेर सारा खाना कचरे में फेंक है। कई बार तो घरों के आसपास फेंके गए भोजन से उठने वाली दुर्गंध एवं सड़ांध वहां रहने वालों के लिए परेशानी खड़ी कर देती हैं। शादियों में खाने की बर्बादी को लेकर भारत सरकार भी चिंतित है। खाद्य मंत्रालय ने कहा है कि वह शादियों में मेहमानों की संख्या के साथ ही परोसे जाने वाले व्यंजनों की संख्या सीमित करने पर विचार कर रहा है। इस बारे में विवाह समारोह अधिनियम, 2006 कानून भी बनाया गया है। हालांकि इस कानून का कड़ाई से कहीं भी पालन नहीं किया जाता है।

भारत में हर वर्ष जितना भोजन तैयार होता है उसका एक तिहाई बर्बाद चला जाता है। बर्बाद जाने वाला भोजन इतना होता है कि उससे करोड़ो लोगों की खाने की जरूरत पूरी हो सकती है। एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि भारत में बढ़ती सम्पन्नता के साथ ही लोग खाने के प्रति असंवेदनशील हो रहे हैं। खर्च करने की क्षमता के साथ ही खाना फेंकने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। विश्व खाद्य संगठन के अनुसार देश में हर साल पचास हजार करोड़ रूपये का भोजन बर्बाद चला जाता है। एक ऑकलन के मुताबिक बर्बाद होने वाले भोजन की धनराशि से पांच करोड़ बच्चों की जिदगी संवारीं जा सकती है।

विश्व खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि खाद्य अपव्यय को रोके बिना खाद्य सुरक्षा सम्भव नहीं है। इस रिपोर्ट में वैश्विक खाद्दा अपव्यय का अध्ययन पर्यावरणीय दृष्टिकोण से करते हुए बताया है कि भोजन के अपव्यय से जल,जमीन और जलवायु के साथ साथ जैव-विविधता पर भी बेहद नकारात्मक असर पड़ता है। रिपोर्ट के मुताबिक हमारी लापरवाही के कारण पैदा किए जाने वाले अनाज का एक तिहाई हिस्सा बर्बाद कर दिया जाता है। देश में एक तरफ करोड़ो लोग खाने को मोहताज है। वहीं लाखों टन खाना प्रतिदिन बर्बाद किया जा रहा है।

हमारे देश में हर साल उतना गेहूं बर्बाद होता है, जितना आस्ट्रेलिया की कुल पैदावार है। नष्ट हुए गेहूं की कीमत लगभग 50 हजार करोड़ रुपये होती है और इससे 30 करोड़ लोगों को सालभर भरपेट खाना दिया जा सकता है। हमारे देश में 2.1 करोड़ टन अनाज केवल इसलिए बर्बाद हो जाता है। क्योंकि उसे रखने के लिए हमारे पास पर्याप्त भंडारण की सुविधा नहीं है। औसतन हर भारतीय एक साल में छह से 11 किलो अन्न बर्बाद करता है। साल में जितना सरकारी खरीदी का धान व गेहूं खुले में पड़े होने के कारण नष्ट हो जाता है। उतनी राशि से गांवो में पांच हजार वेयर हाउस बनाए जा सकते हैं।

आज कल कई शहरो में समाजसेवी लोगो ने मिलकर रोटी बैंक बना रखा हैं। रोटी बैंक से जुड़े कार्यकर्ता शहर में घरो से व विभिन्न समारोह स्थलों से बचे हुये भोजन को एकत्रित कर जरूरत मंद गरीबो तक पहुंचाते हैं। इससे जहां भोजन की बर्बादी रूकती हैं वहीं जरूरत मंदो को भोजन भी उपलब्ध होता है। इस दिशा में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अभियान सोंचे, खाए और बचाए भी एक अच्छी पहल है। इसमें शामिल होकर की भोजन की बर्बादी रोकी जा सकती है। वर्तमान समय में समाज के सभी लोगों को मिलकर भोजन की बर्बादी रोकने के लिये सामाजिक चेतना लानी होगा। तभी भोजन की बर्बादी रोकने का अभियान सफल हो पायेगा।

खाने की बर्बादी रोकने की दिशा में देश में महिलाएं बहुत कुछ कर सकती हैं। महिलाओं को अपने घर के बच्चों में बचपन से यह आदत डालनी होगी कि जितनी भूख हो उतना ही खाना लो। एक-दूसरे से बांट कर खाना भी भोजन की बर्बादी को बड़ी हद तक रोक सकता है। भोजन की बर्बादी रोकने के लिए हमें अपनी आदतों को सुधारने की जरूरत है। धार्मिक लोगों एवं स्वयंसेवी संगठनों को भी इस दिशा में पहल करनी चाहिए। (लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा/ ईएमएस) (लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

मध्यप्रदेश में कांग्रेस की शर्मनाक हारः कौन ज़िम्मदार

जबरदस्त कमज़ोर नेतृत्व, अनेक संगठनात्मक कमियाँ, दिग्विजय सिंह को उम्मीदवार बनाना, कमलनाथ के बारे में अनेक प्रकार की अफवाहें, धार्मिक मामलों में भाजपा से नकल करना ये सब कारण हैं जिनसे मध्यप्रदेश में कांग्रेस को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। केन्द्रीय नेतृत्व ने मध्यप्रदेश में कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर जीतू पटवारी को बैठाया। जीतू पटवारी अभी हाल में विधानसभा के चुनाव में बुरी तरह से हारे थे। हारे हुए व्यक्ति का वैसे भी कोई दबदबा नहीं होता है। फिर पटवारी को लोकसभा चुनाव के तीन महीने पहले अध्यक्ष बनाया गया था। उन्होंने कमलनाथ का स्थान लिया था। कमलनाथ ने ऐसे अवसर पर इस्तीफा दिया जब पार्टी के प्रति उनकी वफादारी पर प्रश्नचिह्न लगा था। यदि पटवारी की जगह किसी वरिष्ठ अनुभव प्राप्त नेता को अध्यक्ष की ज़िम्मेदारी सौंपी जाती तो अच्छे परिणाम आने की संभावना थी। चुनाव के कुछ दिन पूर्व मध्यप्रदेश कांग्रेस के एक बड़े नेता सुरेश पचौरी ने दलबदल किया था। सुरेश पचौरी लगातार कई वर्षो तक राज्यसभा के सदस्य होने के साथ-साथ केन्द्रीय मंत्री परिषद में भी शामिल रहे। सुरेश पचौरी अपने साथ अनेक प्रमुख नेताओं को साथ लेकर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए। जो नेता उनके साथ गये उसमें से बहुसंख्यक ब्राह्मण थे। इस तरह ब्राह्मणों के समर्थन में भी कमी आई।

पिछले अनेक वर्षो से छिन्दवाड़ा लोकसभा क्षेत्र कांग्रेस के हाथों में रहा। एक बार को छोड़कर सन 1977 से लेकर 2019 तक छिन्दवाड़ा में कांग्रेस को शिकस्त नहीं दी जा सकी। 1977 में आपातकाल के बाद हुए चुनाव में भी छिन्दवाड़ा में कांग्रेस ने विजय प्राप्त की थी। उस समय गार्गी शंकर मिश्र छिन्दवाड़ा से चुने गए थे। उसके बाद कमलनाथ लगातार 1980 से छिन्दवाड़ा से चुने जाते रहे। इस बीच एक बार को छोड़कर लगातार कमलनाथ छिन्दवाड़ा से चुने जाते रहे। उनका दबदबा इसलिए भी कायम रहा कि यह दावा किया जाता रहा कि प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी उन्हें अपना तीसरा पुत्र मानती थीं। भारतीय जनता पार्टी ने कमलनाथ को हराने के अनेक प्रयास किए, परंतु उन्हें सफलता नहीं मिली। 2014 और 2019 जब मोदी के नाम पर चुनाव लड़ा गया, उस समय भी कमलनाथ को शिकस्त नहीं दी जा सकी। परंतु 2019 के बाद भाजपा ने पूरे दमखम लगाकर छिन्दवाड़ा पर कब्जा करने का प्रयास किया। एक रणनीति के अंतर्गत भाजपा के बारे में यह अफवाह फैलाई गई कि वह शीघ्र ही भाजपा में आने वाले हैं। कमलनाथ ने इन अफवाहों का ज़ोरदार खण्डन भी नहीं किया। छिन्दवाड़ा में कांग्रेस न सिर्फ लोकसभा में विजय हासिल करती थी परन्तु लोकसभा क्षेत्र की जितने भी विधानसभा क्षेत्र थे उन पर भी कांग्रेस का कब्जा रहता था। कमलनाथ जी के संबंध में अफवाहों के साथ-साथ छिन्दवाड़ा से अनेक कमलनाथ समर्थक कांग्रेसी एक के बाद एक दलबदल कर भाजपा में शामिल होते गए। इस तरह के नेताओं में पूर्व एमएलए चैधरी गंभीर सिंह, वर्तमान विधायक कमलेश शाह जिन्होंने 2019 में नकुलनाथ को विजय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी, वे भी कांग्रेस को छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। इन सबके साथ अनेक कांग्रेसी दल-बदल करते रहे। कमलनाथ को एक गंभीर झटका उस समय लगा जब छिन्दवाड़ा के मेयर विक्रम अहाते कमलनाथ को छोड़कर भाजपा में चले गए। वे कमलनाथ के प्रति जबरदस्त वफादार समझे जाते थे। यद्यपि बाद में वे फिर से कांग्रेस में आ गए। परंतु जब तक वे कांग्रेस को काफी कमज़ोर कर चुके थे। अंत में कमलनाथ जी को भारी धक्का उस समय लगा जब पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना ने भी उनका साथ छोड़ दिया। फिर वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छिन्दवाड़ा के प्रति विशेष ध्यान दिया। कैलाश विजयवर्गीय को छिन्दवाड़ा में विजय दिलाने की जिम्मेदारी दी गई। केन्द्रीय गृहमंत्री और भाजपा के चाणक्य समझे जाने वाले अमित शाह ने वहां अनेक रोड-शो किए और वहाँ रात्रि विश्राम भी किया। इन सभी कारणों से छिन्दवाड़ा का किला कांग्रेस के हाथ से निकल गया और मध्यप्रदेश की लोकसभा की पूरी 29 सीटों पर भाजपा का कब्जा हो गया।

छिन्दवाड़ा के अतिरिक्त एक अतिमहत्वपूर्ण हार का सामना उस समय करना पड़ा जब दिग्विजय सिंह अपने महत्वपूर्ण शक्तिशाली क्षेत्र राजगढ़ से चुनाव हार गए। उन्हें विश्वास था कि राजगढ़ उनके प्रति वफादारी दिखायेगा। वे पहले भी राजगढ़ से लोकसभा के लिए चुने गये थे। इस समय राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र के एक विधानसभा क्षेत्र को उनके पुत्र प्रतिनिधित्व करते हैं। यह क्षेत्र जिसे दिग्विजय सिंह का किला माना जाता है इसके बावजूद उनकी हार हो गई। वैसे अच्छा तो यह होता कि दिग्विजय सिंह को पूरे मध्यप्रदेश की जिम्मेदारी दी जाती न कि उन्हें स्वयं चुनाव लड़ाया जाता। उनका दर्जा एक अखिल भारतीय नेताओं में है। उनको एक क्षेत्र में ज़ोर अजमाने का उत्तरदायित्व देना कहीं से उचित नहीं था। कांग्रेस के एक ओर दिग्गज आदिवासी नेता कांति भूरिया भी चुनाव हार गये। वे कई बार विधानसभा और लोकसभा के लिए चुने गए। वे राज्य और केन्द्र में मंत्री भी रहे चुके हैं। पूरी उम्मीद थी कि वे इस बार चुनाव जीतेंगे परन्तु वे भी चुनाव हार गए। उनके अतिरिक्त दो और तीन लोकसभा क्षेत्रों में कांग्रेस की विजय संभव दिख रही थी परंतु ऐसा भी नहीं हुआ।

कुल मिलाकर कांग्रेस की हार के लिए उसमें संगठन की कमज़ोरियाँ तो थीं ही परन्तु वैचारिक कमज़ोरियाँ भी थीं। प्रदेश में कांग्रेस की तुलना भाजपा की छोटी टीम से की जाती थी। कांग्रेस वह सब करने लगी थी जो भाजपा करती थी। दफ्तरों में बजरंग बली की पूजा, गणेश जी की पूजा, दुर्गामाता की पूजा, इस तरह लगभग भाजपा और कांग्रेस के बीच में अंतर समाप्त हो गया था। मतदाताओं ने सोचा कि यदि चुनना है तो बड़ी टीम को चुनें और इस तरह पूरी 29 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार चुन लिये गए। न सिर्फ भाजपा के उम्मीदवार चुनाव जीते परन्तु उसके एक उम्मीदवार शिवराज सिंह चैहान ने जबरदस्त विजय हासिल की। वे अपने पुराने क्षेत्र विदिशा से लगभग 8 लाख के अंतर से जीते जो पूरे देश में दूसरे नंबर की बड़ी विजय है।(लेखक- एल.एस. हरदेनिया/ ईएमएस)

इंडी गठबंधन ने ताकत बढ़ाई, यह जीत नहीं

देश में हुए लोकसभा चुनाव के परिणाम आ चुके हैं। ये चुनाव परिणाम कई मायनों में महत्वपूर्ण सन्देश देने वाले कहे जा सकते हैं। इसमें पहली बात यह है कि भारतीय जनता पार्टी ने चार सौ पार का नारा दिया, उसने एक बार फिर से इंडिया शाइनिंग वाले 2004 के चुनाव की याद याद दिला दी। यह संतोष की बात कही जा सकती है कि राजग को सरकार बनाने लायक़ बहुमत प्राप्त हो गया है। इस चुनाव परिणाम को भाजपा के लिए एक बड़े सबक के रूप में देखा जा रहा है, जबकि अपने राजनीतिक अस्तित्व को बचाने के लिए पिछले दस वर्षों से संघर्ष करने वाले विपक्ष को कायाकल्प करने वाली संजीवनी मिलने के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा वाले गठबंधन ने भले ही बहुमत का आंकड़ा प्राप्त कर लिया है, लेकिन खुद भाजपा के नेता इसे जीत के रूप में प्रचारित करने का साहस नहीं जुटा पा रहे है। इसके विपरीत इंडी गठबंधन तो ताल ठोकते हुए इसे भाजपा की हार बता रहा है। यह सही है कि चुनाव में राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबंधन को अपेक्षित सफलता नहीं मिली, लेकिन सरकार बनाने लायक़ सीट की संख्या उसके पास है। इसलिए इसमें कोई संदेह नहीं कि भाजपा के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार बनने जा रही है। इसलिए इस जीत को कई मायनों में ऐतिहासिक ही माना जाएगा। आज मोदी उस कतार में शामिल हो गए हैं, जो उन्हें औरों से अलग बनाते हैं।

भाजपा को सबसे बड़ा झटका उत्तरप्रदेश ने दिया है। यहां दो लड़कों की जोड़ी ने भाजपा की उड़ान की गति को बहुत हद तक रोकने में सफलता प्राप्त की है। हम जानते हैं कि जिस प्रकार से समाचार चैनलों ने स्पष्ट रूप से भाजपा की बहुमत वाली सरकार बनाने का पूर्वानुमान दिखाया था, वह परिणाम से मेल रखने वाला नहीं रहा। देश के विपक्षी दलों यह आरोप लगाकर इस एग्जिट पोल को पूरी तरह से खारिज कर दिया। कांग्रेस की ओर से यह दावा भी किया गया था कि इंडी गठबंधन को 290 सीटें मिलेंगी और बहुमत की सरकार बनेगी। सबको यही लग रहा था कि कांग्रेस के दावे में दम नहीं है, लेकिन चुनाव के परिणाम ने यह जाहिर कर दिया कि उनके दावे में दम था। दावे में जो सीटों की संख्या बताई गई थी इंडी गठबंधन उस आंकडे से बहुत पीछे रह गया, लेकिन इंडी गठबंधन के कई प्रत्याशी बहुत कम अंतर से पराजित हुए हैं, इसे भी अप्रत्याशित बढ़त के रूप में ही देखा जा रहा है। इंडी गठबंधन के लिए सबसे ज्यादा सुकून देने वाली बात यह भी है कि उसने भाजपा के 400 पार वाले दावे की हवा निकाल दी। भाजपा गठबंधन घिसटते घिसटते 300 के पार भी नहीं जा सकी। इसे इस रूप में भी देखा जा रहा है कि अकेले मोदी के नाम पर चुनाव नहीं जीता जाता, जीतने के लिए प्रत्याशी भी अच्छा होना चाहिए। कहा जा रहा है कि भाजपा इस मामले में चूक गई। भाजपा के लिए चिंतन का मुद्दा यह है कि उसके मूल कार्यकर्ता इस चुनाव से दूर रहे। भाजपा नेतृत्व ने जितना भरोसा बाहर से आए नेताओं पर किया, उतना अपने पुराने कार्यकर्ताओं पर नहीं किया। बाहर से आए नेता केवल दिखावा करते रहे और भाजपा के पुराने कार्यकर्ताओं की अनदेखी की गई। जिसके कारण भाजपा का समर्थक मतदाता मतदान केंद्र तक पहुँच ही नहीं सका। यह भी भाजपा के लिए एक बड़ा अवरोधक बनता दिखाई दिया, जबकि इंडी गठबंधन के नेता यह योजना बनाकर मैदान में थे कि अधिक मतदान कराने का प्रयास किया जाए। उत्तरप्रदेश में सपा और कांग्रेस के गठबंधन को मिली सफलता इस बात का परिचायक है कि इन दोनों दलों ने मुस्लिम और यादव मतों पर ज्यादा मेहनत की। इसके अलावा पिछड़े वर्ग के मतदाताओं को भी अपने पाले करने के लिए मेहनत की। इसी मेहनत ने अपेक्षित परिणाम दिए। यहां यह उल्लेख करना भी महत्वपूर्ण होगा कि इस बार मायावती की बहुजन समाज पार्टी ने इंडी गठबंधन के लिए विजय के द्वार खोलने में मदद की। ऐसा नहीं है कि उनकी मदद करने की मंशा थी, वह मदद नहीं करना चाहती थीं, लेकिन अजा, जजा और पिछड़े वर्ग का जो वोट भाजपा को मिलना था, वह इस बार भाजपा को नहीं मिला। इसे भी भाजपा की हार के रूप में देखा जा रहा है। वैसे राजनीतिक दृष्टि से आंकलन किया जाए तो यह भाजपा की बड़ी जीत ही कहा जाएगा, क्योंकि भाजपा के नेतृत्व वाले राजग गठबंधन ने तीसरी बार सत्ता को अपने पास रखा है। इंडी गठबंधन भी इसलिए सक्रिय हो गया है, क्योंकि अगर किसी भी स्थिति में बिल्ली के भाग्य से छींका टूट गया तो मलाई खाने का अवसर मिल सकता है।

परिणामों के बाद अब इसमें कोई संदेह नहीं है कि राजग की सरकार बनेगी, साथ ही एक मजबूत विपक्ष भी होगा। इसलिए अब भाजपा नीत सरकार को बेहद सधे कदमों से चलना होगा। जैसा कि सभी जानते हैं कि ज़ब विपक्ष कमजोर रहा, तब उन्होंने संसद को कई बार बाधित किया। चूँकि अब विपक्ष मजबूत है तो इस बात की बहुत ज्यादा संभावना बन जाती है कि वे छोटी छोटी बातों पर संसद को बाधित कर सकते हैं। यह बात सही है कि नरेन्द्र मोदी की सरकार ने राजनीतिक भ्रष्टाचार पर बहुत हद तक सफलता प्राप्त की है, और अपने तीसरे कार्यकाल में भी भ्रष्टाचार को समाप्त करने का संकल्प दोहराया है। हम जानते हैं कि विपक्ष के कई बड़े राजनेता भ्रष्टाचार के आरोप को झेल रहे हैं। इनमें से कई जमानत पर बाहर हैं। इसलिए यह भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सरकार का साथ देंगे, इसकी गुंजाइश कम ही है। लेकिन यह सच है कि भारत में भ्रष्टाचार का निर्मूलन होना ही चाहिए। यह देश को अच्छा बनाने का कदम है, जिसके लिए सभी दलों को साथ देना चाहिए।

जहाँ तक राजनीति की बात है तो लोकसभा चुनावों के दौरान जिस प्रकार से प्रचार किया गया, उसमें नकारात्मकता अधिक देखी गई। रचनात्मक विरोध तो कहीं भी देखने को नहीं मिला। लेकिन अब चूँकि चुनाव समाप्त हो गए हैं और परिणाम भी आ चुके हैं, इसलिए अब नकारात्मक राजनीति से सभी दलों को तौबा करने की ओर कदम बढ़ाने चाहिए। क्योंकि अब विरोध करने का नहीं, बल्कि देश को बनाने का समय है।(लेखक- सुरेश हिंदुस्तानी/ ईएमएस)

शब्द पहेली - 8030

1	2	■	3	4	5	■	6	7
8		9	■	10		11	■	
■	12		13	■	14		15	■
16	■	17		18	■	19		20
21	22	■	23		24	■	25	
26		27	■	28		29	■	
■	30		31	■	32		33	■
34	■	35		36	■	37		38
39		■	40			■	41	

बाएँ से दाएँ

1.अधिकार-2
3.समुद्र,दरिया-3
6.आनंद,रस-2
8.दबाना,कुचलना-3
10.गुंडा,बदमाश-3
12.पासों से भविष्य जानना-3
14.नाप जोख करना-3
17.जलजला-3
19.असफल-3
21.मगन,रत-2
23.व्यक्ति,जीव-3
25.सम्राट,नरेश-2
26.कार्य करने वाला-3
28.उपनदी,कैनाल-3
30.मां का प्रेम-3
32.पढ़ना,अध्ययन-3
35.पक्षाघात,फालिज-3
37.सेनापति-3
39.दूल्हा,वरदान-2
40.पक्ष,एक ओर-3
41.भीगा हुआ

ऊपर से नीचे

1.सीमा,सरहद-2
2.कटि,मध्यांग-3
4.दुख,कष्ट-2
5.गमन,विदा होना-3
7.शराब का प्याला-2
9.एक नमकीन लवण-3
11.आलेप करना-3
13.बोलने का तरीका-3
15.अयोग्य,बेकार-3
16.तहजीब,तमीज-3
18.रत्न,बहुमूल्य नग-3
20.व्यंग,परिहास-3
22.मुलायम,नाजुक-3
24.कॉफी-3
27.पंकज,नीरज,जलज-3
29.निर्माण-3
31.बल,दम,जोर-3
33.नेत्र,आंख-3
34.नौका-2
36.घात,प्रहार-2
38.जरा,थोड़ा-2

शब्द पहेली -8029 का हल

ब	द	न	■	चा	त	क	■	त
■	र्श	■	क	ल	ह	■	र	वा
ता	न	■	ह	■	खा	लि	स	■
क	■	का	र	खा	ना	■	भ	■
त	री	का	■	विं	■	श	रा	रा
■	मी	■	अ	द	र	क	■	ज
■	से	ह	रा	■	ह	■	आ	न
जा	न	■	ज	ही	न	■	स	■
म	■	म	क	र	■	स	न	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास 7 जून

1492 पोलैंड नरेश कालीमीर चतुर्थ का निधन हुआ .

1971 सोवियत अंतरिक्षयान सोयूज सैल्यूट अंतरिक्ष स्टेशन से जुड़ने में सफल हुआ.

1975 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार राष्ट्रीय फिल्म समारोह में परिवर्तित कर दिया गया.

1979 भारत के दूसरे उपग्रह भास्कर-एक का प्रक्षेपण सोवियत संघ से किया गया.

1988 बांगलादेश ने इस्लाम को राजधर्म घोषित किया.

1989 सूरी नाम का विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ,जिसमे 171 व्यक्ति मारे गये.

1996 बर्मा के सैनिक शासकों ने विपक्षी नेता आंग सान सून के लिए कड़े कानून बनाये.

1999 कर्नाटक के दावणगेरे जिले में एक यात्री बस के नदी में गिर जाने से 94 लोगों की मृत्यु.

2001 प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी के दाहिने घुटने का ऑपरेशन सफल.

2002 पाकिस्तान के विदेश मंत्री अब्दुल सत्तार ने त्यागपत्र दिया.

2005 रामनिवास मिर्धा संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष बने.

खेल - समाचार

वॉन सहित कई दिग्गजों ने न्यूयार्क की पिच को खतरनाक बताया

लंदन (ईएमएस)। अमेरिका में पहली बार आईसीसी टी20 विश्वकप मैचों का आयोजन हो रहा है पर यहां की खतरनाक पिचों पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन सहित कई दिग्गजों ने सलाल उठाये हैं। वॉन के अनुसार अमेरिका में खेल का आयोजन अच्छी बात है पर खिलाड़ियों की सुरक्षा भी खतरे में नहीं डाली जा सकती। वॉन के अनुसार इस प्रकार की असमान उछाल वाली पिचों पर खिलाड़ियों के चोटिल होने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

भारत और आयरलैंड के बीच न्यूयार्क में हुए मैच में गेंद अचानक उछलने से भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के कंधे में चोट गयी थी। इससे पहले आयरलैंड की पारी के दौरान भी बल्लेबाज हैरी टकर को एक से अधिक बार गेंद उंगलियों पर लगी। पिच के अनिश्चित उछाल का ये हाल था कि कुछ गेंदें बल्लेबाजों के सिर से इतना ऊपर निकल रहीं थी कि विकेटकीपर को उछलकर उन्हें पकड़ना पड़ा। वहीं कई इतनी नीचे रह रही थीं कि टप्पा खाने के बाद ही कीपर तक पहुंच रही थीं। इसी को खेलते हुए कई पूर्व क्रिकेटरों ने इस पिच को आईसीसी मापदंडों के अनुरुप नहीं माना है।

यहां 5 जून तक न्यूयॉर्क में दो मैच हुए हैं और दोनों में से किसी में कोई भी टीम 100 रन के आंकड़े के पार नहीं पहुंची है। श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के बीच न्यूयॉर्क में हुए टूर्नामेंट के पहले मैच में श्रीलंकाई टीम केवल 77 पर ही सिमट गयी। पिच इतनी खराब थी कि 78 का लक्ष्य हासिल करने के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम को 16.2 ओवर खेलने पड़े थे।

वॉन ने इसी को लेकर आईसीसी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, 'अमेरिका में खेल को प्रमोट करने की कोशिश करना अच्छी बात हैं पर खिलाड़ियों को न्यूयॉर्क में इस बेकर पिच पर नहीं खिलाया जा सकता है। साथ ही कहा कि आप वर्ल्डकप में पहुंचने के लिए काफी मेहनत करते हैं, फिर आपको इस तरह की पिच पर खेलना पड़ता है।' वहीं इससे पहले एक अन्य पोस्ट में वॉन ने पिच को 'शॉकिंग' बताया था। इसके अलावा पूर्व कोच मिकी आर्थर ने भी न्यूयॉर्क की पिच को बेहद खराब बताया। इसके अलावा कई खेल जानकारों ने भी पिच की आलोचना की है।

पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के लिए तैयार है भारतीय टीम : रोहित

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम पाकिस्तान के खिलाफ रविवार 9 जून को होने वाले मुकाबले के लिए तैयार है। भारतीय टीम ने आयलैंड के खिलाफ शानदार जीत के साथ अपना अभियान शुरु किया है और वह इसे बरकरार रखना चाहेगी। पिच को लेकर रोहित हालांकि कुछ परेशान नजर आये। रोहित ने कहा कि उनकी टीम रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले में किसी भी प्रकार के हालातों में खेलने के लिए तैयार है। आयरलैंड के खिलाफ मैच में भारतीय गेंदबाज और बल्लेबाज सफल रहे। पहले ही स्पेल में तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने दो विकेट लिए। वहीं मोहम्मद सिराज और हार्दिक पांडया ने भी अच्छी गेंदबाजी की। हार्दिक ने तीन विकेट लिए। भारतीय टीम के सामने केवल 97 रनों का लक्ष्य था। विराट कोहली पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रोहित के साथ ओपनिंग कर करते हुए एक रन ही बना पाये। रोहित अर्धशतक लगाकर रिटायर हर्ट और ऋषभ पंत ने नाबाद 30 रन बनाकर टीम की जीत तय की।

मैच खत्म होने के बाद रोहित ने कहा, मुझे नहीं पता कि पाकिस्तान के खिलाफ क्या उम्मीद करनी चाहिए। हम हालातों के हिसाब से तैयारी करेंगे। यह ऐसा मैच होगा जिसमें पूरी टीम एक साथ आएगी और अपना योगदान देंगे। उम्मीद है कि हम फिर से इसी तरह का प्रदर्शन कर पाएंगे।

नया मैदान, नया वेन्यू और हम देखना चाहते थे कि यहां खेलकर कैसा लगता है। मुझे लगता है कि पिच अभी जमी नहीं है और तेज गेंदबाजों को काफी मदद दे रही है। इस मैच में रोहित हाथ में चोट लगने के बाद रिटायर्ड हर्ट हो गए। पाकिस्तान के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले कप्तान का चोटिल होना भारत के लिए चिंताजनक है पर कहा गया है कि उनकी चोट गंभीर नहीं है।

ओमान के खिलाफ जीत में ऑस्ट्रेलिया को आया पसीना , शीर्ष बल्लेबाज विफल रहे

ब्रिजटाउन (ईएमएस)। टी20 विश्वकप में ओमान के खिलाफ पहले ही टी20 क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम को जीत के दौरान पसीना निकल गया। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड के अलावा ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल भी असफल रहे। 14 ओवर में टीम केवल 80 रन बना पायी। इसके बाद मार्कस स्टोइनिस और डेविड वार्नर ने उसे संभाला। इस दोनो ने स्कोर 164 रनों तक पहुंचा दिया। ओमान की टीम इसके बाद 125 रन ही बना सकी।

ओमान ने टॉस जीतने के बाद गेंदबाजी का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों के लिए रन बनाना कठिन रहा। हेड 12 रन बनाए जबकि मिचेल मार्श 14 रन ही बना पाये। इसके बाद लगातार दो गेंदों पर पेवेलियन लौट गये। आईपीएल में विफल रहे मैक्सवेल यहां भी पहली ही गेंद पर आउट हो गये। स्टोइनिस ने तेजी से अर्धशतक लगाया पर स्टोइनिस और वॉर्नर के बीच 102 रनों की साझेदारी हुई। इससे ऑस्ट्रेलिया 164 तक पहुंच सकी। स्टोइनिस 36 गेंदों पर 67 रन बनाकर नाबाद रहे। वॉर्नर ने 51 गेंद पर 56 रन बनाए।

ओमान का शीर्ष क्रम इस मैच में विफल रहा। स्टार्क ने तीसरी ही गेंद पर प्रतीक अथवाले को पेवेलियन भेज दिया। इसके अलावा टॉप-5 में चार बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। वहीं ओमान की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 9 विकेट पर 125 रन ही बना पाई।

रोहित टी20 में सबसे अधिक जीत दर्ज करने वाले भारतीय कप्तान बने धोनी और विराट को पीछे छोड़ा

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने आयरलैंड के खिलाफ पहले ही टी20 विश्व कप क्रिकेट मैच में जीत के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल कर ली है। अब रोहित टी20 में कप्तान के तौर पर जीत के मामले में सबसे आगे हो गये हैं। रोहित ने टी20 में कप्तान के तौर पर महेन्द्र सिंह धोनी के सबसे अधिक जीत के रिकार्ड को तोड़ दिया। रोहित ने अब तक 55 टी20 में कप्तान के तौर पर 42 मुकाबले जीते हैं जबकि धोनी के नाम 73 में 41 जीत का रिकार्ड है। इसके अलावा रोहित का जीत प्रतिशत (77.29) भी धोनी (59.28) से काफी ज्यादा है। वहीं कोहली के नाम 50 टी20 में कप्तान के तौर पर 30 जीत हैं।

इसके अलावा इस मैच में 37 गेंदों पर 52 रन बनाकर भी रोहित ने एक नया रिकार्ड बनाया है। रोहित इस मैदान पर अर्धशतक लगाने वाले अकेले खिलाड़ी बने हैं। उन्होंने अपनी पारी के दौरान तीन छक्के लगाये। इस मैच में रोहित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 600 छक्के लगाने वाले पहले क्रिकेटर भी बने। रोहित के अब तक 427 मैचों में 600 छक्के हो गये हैं। वहीं दूसरे नंबर पर क्रिस गेल के नाम 483 मैचों में 553 छक्के और शाहिद अफरीदी के नाम 524 मैचों में 476 छक्के हैं। रोहित ने इस दौरान टी20 अंतरराष्ट्रीय में 4000 रन भी पूरे किये। वह खेल के तीनों प्रारूपों में 4000 से अधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। रोहित ने टी20 विश्व कप में भी 1000 रन बनाए और कोहली के बाद दूसरे भारतीय बने।

रोहित ने टी20 में चार हजार रनों के साथ ही अपने 600 पूरे किये

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने आयरलैंड के खिलाफ टी20 अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में दो अहम उपलब्धियां हासिल की है। इस मैच में अपने अर्धशतक के दौरान रोहित ने सबसे तेजी से चार हजार रन भी पूरे किये। इसके अलावा तीन छक्के लगाते ही उनके छक्कों की संख्या भी 600 से पार पहुंच गयी। रोहित ने 2860 गेंदों पर यह 4 हजार रन बनाए। इसी के साथ ही उन्होने विराट कोहली को पीछे छोड़ा। विराट ने 2900 गेंदों पर अपने 4 हजार रन पूरे किये थे। तीसरे नंबर पर पाक के बाबर आजम रहे। आजम ने 3079 गेंदों पर यह उपलब्धि हासिल की थी।

अब रोहित शर्मा और विराट कोहली ही दो ऐसे बल्लेबाज हैं जिनके नाम एकदिवसीय और टेस्ट वह टी20 इंटरनेशनल में 4 हजार से अधिक रन हैं। विराट के नाम टेस्ट में 8848, वनडे में 13848 और टी20 में 4038 जबकि रोहित के नाम टेस्ट में 4137, वनडे में 10709 और टी20 में 4026 रन हैं।

रोहित को यह अहम उपलब्धि हासिल करने पर बीसीसीआई की ओर से भी बधाई दी गई। रोहित टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा शतक के मामले में ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल के साथ संयुक्त तौर पर पहले नंबर पर हैं। उन्होंने अब तक 5 शतक लगाए हैं। वहीं चार शतक के साथ सूर्यकुमार यादव दूसरे नंबर पर हैं जबकि 3-3 शतक के साथ बाबर आजम और मोहम्मद वसीम तीसरे नंबर पर हैं। रोहित ने आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले में तीन छक्के लगाए थे।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद ,सेंसेक्स 75,074 , निफ्टी 22,821 पर पहुंचा

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीददारी) हावी रहने से आया है। चुनाव परिणामों के बाद बाजार को जो झटका लगा था वह भी सरकार बनने की उम्मीदों से समाप्त हो गया है। इसी कारण लगातार दूसरे दिन बाजार ऊपर आया। इक्विटी बेंचमार्क लगातार दूसरे दिन सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज 0.93 फीसदी करीब 692.27 अंक बढ़कर 75,074.51 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.89 फीसदी तकरीबन 201.05 अंक ऊपर आकर 22,821.40 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा का शेयर सबसे ज्यादा 4.07 फीसदी ऊपर आया। इसके अलावा एचसीएल टेक, एसबीआई, इनफ़ोसिस, एनटीपीसी, टीसीएस, एलएंडटी, विप्रो, भारती एयरटेल, टाटा स्टील सहित 23 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये।

वहीं दूसरी ओर हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, नेस्ले इंडिया, एक्सिस बैंक सहित 7 कंपनियों के शेयर नीचे आये।

जानकारों के अनुसार लोक सभा चुनाव के परिणामों से लगे झटके के बाद सरकार बनने की संभावना से निवेशकों की आशंकाएं कम हुई हैं। इससे बाजार में खरीददारी भी हुई है। एनडीए सरकार के बनने की संभावना से निवेशकों में उत्साह आने लगा है।

इससे पहले आज सुबह बीएसई सेंसेक्स 303 अंक बढ़कर 74,685.68 के स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर एनएसई का निफ्टी 50 76 अंक बढ़कर 22,696.40 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं गत कारोबारी सत्र में अमेरिकी बाजार सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 में 1.18 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह एक नए इंट्राडे उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह, नैस्डैक कंपोजिट 1.96 प्रतिशत बढ़कर एक नए रिकॉर्ड पर पहुंच गया, जबकि डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल 0.25 फीसदी ऊपर आया।

संसद पहुंचे ये चेहर......ना एनडीए के साथ न इंडिया के साथ

देखना दिलचस्प होगा संकट में देते हैं किसका साथ

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव नतीजों में भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को 293 सीटों पर जीत मिली। वहीं कांग्रेस की अगुवाई वाले विपक्षी इंडिया ब्लॉक को भी 234 सीटें मिलीं। एनडीए और इंडिया ब्लॉक के सीधे चुनावी मुकाबले में सात निर्दलीयों सहित 16 वे कैंडिडेट भी जीतकर संसद पहुंचे जिनका नाता इन दोनों ही गठबंधनों से नहीं था।

इस रिपोर्ट उन चेहरों पर चर्चा करे

1. आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) प्रमुख चंद्रशेखर आजाद नगीना सीट से पहली बार लोकसभा चुनाव में उतरे और जीत भी हासिल की। चंद्रशेखर की जीत इसलिए भी खास हैं क्योंकि उनके सामने इंडिया ब्लॉक के साथ ही बीजेपी और सूबे में दलित सियासत की अगुवा बहुजन समाज पार्टी के उम्मीदवार की मजबूत चुनौती थी। बावजूद इसके चंद्रशेखर ने चौतरफा मुकाबले में डेढ़ लाख के बड़े अंतर से जीत हासिल की।

2. पूर्णिया सीट से निर्दलीय जीते पप्पू यादव छठी बार संसद पहुंचे हैं। पप्पू यादव के लिए संसदीय चुनाव में बतौर निर्दलीय उम्मीदवार ये तीसरी जीत है और तीनों ही बार वे पूर्णिया से ही जीते। पप्पू यादव दो बार आरजेडी और एक बार सपा से भी सांसद रहे हैं। पप्पू ने जन अधिकार पार्टी नाम से अपना राजनीतिक दल भी बनाया था।

इंडिया ब्लॉक में ये सीट आरजेडी के खाते में चली गई। लेकिन पप्पू यादव निर्दलीय ही चुनाव मैदान में उतरे और विजय पताका फहरा दी। पप्पू नामांकन के बाद तक कांग्रेस के साथ निष्ठा जताते रहे। उनकी पत्नी रंजीत रंजन भी कांग्रेस में हैं। इसके बाद पप्पू यादव का झुकाव कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक की तरफ ही रहेगा, ऐसा माना जा रहा है।

3. बीजेपी से गठबंधन के बिना पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ रही बादल परिवार की पार्टी शिरोमणि अकाली दल 13 सीटों वाले सूबे की केवल बठिंडा ही सीट जीत सकी। हरसिमरत कौर बादल पंजाब की सियासत का पावर सेंटर रहे बादल परिवार से ही आती हैं। शिरोमणि अकाली दल एनडीए की स्थापना के समय से लेकर तीन नए कृषि कानूनों से संबंधित बिल संसद में आने तक, बीजेपी की अगुवाई वाले गठबंधन में रहा है। तीनों कृषि कानून सरकार पहले ही वापस ले चुकी है, इसके बाद हो सकता है कि बादल परिवार की पार्टी फिर से पुराने गठबंधन में लौट आए।

4. ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन यानि एआईएमआईएम एक सीट जीत सकी है। असदुद्दीन ओवैसी हैदराबाद सीट से संसद पहुंचे हैं। ओवैसी एनडीए और इंडिया ब्लॉक, दोनों पर ही समान रूप से हमलावर रहे हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि अगर किसी एक तरफ खड़े होने की नौबत आती है, तब वे किसके साथ नजर आते हैं।

5. सरबजीत सिंह खालसा ने पंजाब की फरीदकोट सीट से निर्दलीय चुनाव जीता है। सरबजीत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या मामले में सजायाफ्ता रहे बेअंत सिंह के बेटे हैं। 2015 में सरबजीत पहली बार तब चर्चा में आए थे, जब उन्होंने गुरुग्रंथ साहिब की बेअदबी का मुद्दा उठाया था। सिख संगत के कहने पर चुनाव मैदान में उतरने का दावा करते आए सरबजीत एनडीए या इंडिया ब्लॉक, किसके साथ खड़े नजर आते हैं? ये देखना दिलचस्प होगा।

6. खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह के खिलाफ राजद्रोह और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून सहित गंभीर धाराओं में 16 मामले दर्ज हैं। पिछले साल अप्रैल में गिरफ्तारी के बाद असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद अमृतपाल ने खडूर साहिब सीट से बतौर निर्दलीय चुनाव लड़ा और करीब दो लाख वोट के बड़े अंतर से जीता भी।

7. महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री वसंतदादा पाटिल के पोते विशाल पाटिल सांगली सीट से सांसद निर्वाचित हुए हैं। विशाल सीट से कांग्रेस का टिकट मांग रहे थे लेकिन इंडिया ब्लॉक में ये सीट शिवसेना (यूबीटी) के खाते में चली गई। कांग्रेस के हाथ से सीट फिसली, तब विशाल निर्दलीय ही चुनाव मैदान में उतर गए और बीजेपी के सीटिंग सांसद संजय काका पाटिल को एक लाख वोट से अधिक के अंतर से हरा दिया।

8. इंजीनियर राशिद जम्मू कश्मीर की बारामूला सीट से सांसद चुने गए हैं। इंजीनियर राशिद ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को हराया है। राशिद दो बार विधायक रहे हैं और वह 2019 के चुनाव में भी मैदान में उतरे थे लेकिन मात मिली थी। फिलहाल वह टेरर फंडिंग केस में यूएपीए के तहत तिहाड़ जेल में बंद हैं।

पटेल उमेशभाई

9. पटेल उमेश भाई दमन और दीव लोकसभा सीट से संसद पहुंचे हैं। बिजनेसमैन उमेश भाई की पहचान एक सामाजिक कार्यकर्ता की रही है। उन्होंने बतौर निर्दलीय उम्मीदवार लोकसभा चुनाव लड़ा और तीन बार के बीजेपी सांसद लालू भाई पटेल को हराया।

10. मोहम्मद हनीफा लद्दाख सीट से निर्वाचित हुए हैं। हनीफा नेशनल कॉन्फ्रेंस से राजनीति में सक्रिय रहे हैं। लोकसभा चुनाव में जब नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जम्मू की दो और लद्दाख की सीट पर कांग्रेस के समर्थन का ऐलान कर दिया तब पूरी करगिल यूनिट के साथ हनीफा ने पार्टी छोड़ दी थी। हनीफा बतौर निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतरे और विजयश्री हासिल की।

11. रिकी एंड्रू मेघालय की शिलांग सीट से वॉइस ऑफ द पीपुल्स पार्टी से चुनाव जीतकर संसद पहुंचे हैं। ये पार्टी न इंडिया ब्लॉक में है और ना ही एनडीए में। मेघालय की प्रमुख पार्टी एनपीपी पहले से ही बीजेपी की अगुवाई वाले एनडीए में शामिल है।

मिजोरम में सत्ताधारी जेडपीएम के उम्मीदवार रिचर्ड वानलालहमंगइहा जीते हैं। जेडपीएम अब तक न तो एनडीए में है और ना ही इंडिया ब्लॉक में लेकिन पूर्वोत्तर की राजनीति का एक ट्रेंड रहा है। पूर्वोत्तर की पार्टियां केंद्र में जिसकी सरकार उसे समर्थन के फॉर्मूले पर चलती रही हैं।

आंध्र प्रदेश के निवर्तमान मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी की पार्टी को चार सीटों पर जीत मिली है। वाईएसआर कांग्रेस के टिकट पर पीवी मिधुन रेड्डी, अविनाश रेड्डी, थानुज रानी और गुरुमूर्ति मैडिला चुनाव जीतकर संसद पहुंचे हैं। वाईएसआर कांग्रेस कई अहम मौकों पर संसद में सरकार के साथ खड़ी नजर आई है लेकिन तब हालात दूसरे थे, अब दूसरे हैं।

नवनिर्वाचित सांसदों में से 251 पर क्रिमिनल केस

-एडीआर ने जारी की रिपोर्ट...लोकसभा में दागी सांसदों की यह अब तक की सबसे बड़ी संख्या

नई दिल्ली(ईएमएस)। देश की 18वीं लोकसभा के चुनाव 4 जून को खत्म हो चुके हैं। देश को 543 नए सांसद भी मिल चुके हैं। लेकिन इनमें से 46 प्रतिशत यानी 251 सांसदों पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। इनमें से 27 नए सांसद ऐसे हैं, जिन्हें अलग-अलग अदालतों से दोषी करार दिया जा चुका है। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉम्र्स (एडीआर) की रिपोर्ट के मुताबिक लोकसभा पहुंचे दागी सांसदों का यह अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले 2019 में क्रिमिनल केस वाले 233 (43 प्रतिशत) सांसद लोकसभा पहुंचे थे। इन 251 सांसदों में से 170 पर बलात्कार, हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध सहित गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। भाजपा के 63, कांग्रेस के 32 और सपा के 17 सांसदों पर गंभीर अपराध दर्ज हैं। इस लिस्ट में तृणमूल कांग्रेस के 7, डीएमके के 6, तेलुगु देशम पार्टी के 5 और शिवसेना के 4 सांसदों का नाम भी शामिल है।

चुनाव प्रक्रिया खत्म होने के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू गुरुवार शाम को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लोकसभा चुनाव जीतने वाले उम्मीदवारों की लिस्ट सौंपेंगे। एक बार सूची राष्ट्रपति को सौंपे जाने के बाद 18वीं लोकसभा के गठन की औपचारिक प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इससे पहले राष्ट्रपति ने बुधवार को 17वीं लोकसभा को भंग करने का आदेश दिया था। नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाने के लिए तैयार हैं। एनडीए ने 293 सीटें जीती हैं, जबकि विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक ने 234 सीटें जीती हैं।

तीन सांसद, जिन पर सबसे ज्यादा केस

संसद पहुंचने वाले सबसे दागी सांसदों की बात करें तो केरल की इडुक्की सीट से कांग्रेस के डीन कुरियाकोस का नाम सबसे ऊपर है। डीन पर ने 1.33 लाख वोट से जीत हासिल की है। उन पर करीब 88 मामले दर्ज हैं। इस लिस्ट में दूसरा नाम कांग्रेस के शफी परम्बिल का और तीसरा नाम भाजपा के एतेला राजेन्द्र का है।

महिलाओं के खिलाफ अपराध में भी शामिल

2024 का चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे सांसदों में से 15 ने महिलाओं के खिलाफ अपराधों से जुड़े मामलों की घोषणा की है। इनमें से 2 पर आईपीएस की धारा 376 के तहत बलात्कार का आरोप है। इनके अलावा, 4 सांसदों ने अपहरण से जुड़े मामले डिक्लेयर किए हैं। 43 ने अभद्र भाषा से जुड़े मामले अपने चुनावी हलफनामे में लिखे थे।

एनडीए में वापसी के लिए उद्धव ठाकरे से संपर्क कर रही है बीजेपी

मुंबई (ईएमएस)। एनडीए में वापसी के लिए उद्धव ठाकरे से बीजेपी संपर्क कर रही है। एक केंद्रीय मंत्री को उद्धव से बातचीत को ज़िम्मेदारी सौंपी गई है, ये जानकारी सूत्रों के हवाले से सामने आई है। खबर है कि उद्धव ठाकरे को महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री पद ऑफर किया जा सकता है। अगला चुनाव भी उन्हीं के नेतृत्व में लड़ा जा सकता है।

सोने और चांदी की कीमतों में आई तेजी

- सोने के वायदा भाव 73 हजार, चांदी 91,700 हजार रुपए

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के परिणाम के बाद सोने और चांदी के वायदा कारोबार में तेजी देखने को मिल रही है। गुरुवार को लगातार दूसरे दिन दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 73 हजार रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 91,700 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 361 रुपये की तेजी के साथ 72,879 रुपये के भाव पर खुलने के बाद 407 रुपये की तेजी के साथ 72,925 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत आज तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 395 रुपये की तेजी के साथ 90,839 रुपये पर खुला। इस यह 1,234 रुपये की तेजी के साथ 91,678 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। लेकिन बाद में इसके भाव चढ़ गए। चांदी की शुरुआत तेज ही रही। कॉमेक्स पर सोना 2,375.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,375.50 डॉलर प्रति औंस था। हालांकि बाद में यह 14.40 डॉलर की तेजी के साथ 2,389.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 30.14 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 30.07 डॉलर था। इस समय यह 0.54 डॉलर की तेजी के साथ 30.61 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

नाव में विस्फोट से लगी आग, चालक दल के छह सदस्यों की मौत

नागा सिटी (ईएमएस)। फिलिपीन के सूबू प्रांत में समुद्र में मछली पकड़ने वाली एक नाव में विस्फोट होने से आग लग गई, जिससे चालक दल के करीब छह लोगों की मौत हो गई जबकि अन्य छह को सुरक्षित बचा लिया गया।

तटरक्षक अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। तटरक्षक अधिकारियों ने बताया कि नागा शहर के पास एफ/बी किंग ब्रायन नामक नाव में विस्फोट होने से आग लग गई थी। उन्होंने बताया कि नाव के कप्तान सहित जीवित बचे चालक दल के सदस्यों का अस्पताल में इलाज जारी है। अधिकारियों ने कहा कि वे इतने सदमे में हैं कि जांचकर्ताओं को यह नहीं बता पा रहे हैं कि नाव में आग कैसे लगी। तटरक्षक ने बताया कि उनमें से एक की हालत गंभीर है। तटरक्षक अधिकारियों ने बताया कि नाव का इंजन खराब हो गया था जिसके बाद उसमें आग लग गई, जिससे चालक दल के सदस्य घायल हो गए तथा अन्य लोग घबराहट के कारण समुद्र में कूद गए। पास से गुजर रही एक टगबोट ने आग बुझाने में मदद की। जिसके बाद तटरक्षक के अधिकारियों ने खोज-बचाव अभियान शुरू किया।

ट्रक ने कई कारों व बाइकों को रौंदा, 13 की मौत, 18 घायल

मबेया,(ईएमएस)। तंजानिया के मबेया क्षेत्र में एक ट्रक ने कई कारों और बाइकों को टक्कर मार दी। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई और 18 गंभीर रुप से घायल हो गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट में प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस के हवाला से बताया गया है कि दुर्घटना बुधवार को मबेम्बेला क्षेत्र में सिमिके ढलान पर हुई। जहां एक ट्रक कई कारों और बाइकों को रौंदता हुआ चला गया। इस हादसे में 13 लोग मारे गए वहीं 18 लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में से 8 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने मरने वालों की पुष्टि की और कहा कि ब्रेक न लगाने के कारण ट्रक चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो बैठा दिया और यह दुर्घटना घटित हुई है।

मई में मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में तेजी रही: अर्थशास्त्री दास

-मई में काम के कम घंटों के लिए हीटवेव को बताया जिम्मेदार

नई दिल्ली (ईएमएस)। एचएसबीसी की वैश्विक अर्थशास्त्री मैत्रेयी दास ने कहा मई में मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में तेजी रही है, हालांकि नए ऑर्डर और उत्पादन में धीमी वृद्धि के कारण विस्तार की गति धीमी रही। पैनलिस्टों ने मई में काम के कम घंटों के लिए हीटवेव को एक कारण बताया है, जिसका उत्पादन की मात्रा उत्पादन पर असर हो सकता है।

दास ने कहा कि इसके विपरीत, नए निर्यात ऑर्डर 13 वर्षों में सबसे तेज गति से बढ़े हैं। सर्वे में बताया गया है कि नए ऑर्डर में तेजी से वृद्धि हुई है, हालांकि ये पिछले तीन महीनों में सबसे कम है। मजबूत मांग, मार्केटिंग प्रयासों में वृद्धि और अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने के कारण ऑर्डर की संख्या में इजाफा हुआ है। मई में निर्यात में तेजी वृद्धि हुई है। ये 13 वर्षों में सबसे अधिक थी। भारतीय मैन्युफैक्चरर्स में भी सेंटीमेंट सकारात्मक बना हुआ है। इसकी वजह आर्थिक गतिविधियां का अच्छा होना और मांग बने रहना है। वहीं, मई की बिक्री की स्थिति भी अच्छी बनी हुई है और जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान अधिक होने के कारण नौकरी के अधिक अवसर पैदा हुए हैं। हालांकि, कच्चे माल की लागत बढ़ने और ढुलाई महंगी होने के कारण सभी उत्पादनकर्ताओं के लिए लागत बढ़ गई है। सर्वे में महंगाई को लेकर कहा गया कि लंबी अवधि के औसत के मुकाबले महंगाई की दर कम है। लागत बढ़ने के कारण कंपनियों ने मई में अपने उत्पादों के दाम में इजाफा किया है।

बता दें, जब भी पीएमआई 50 के ऊपर होता है, तो दिखाता है कि गतिविधियों में तेजी आ रही है। वहीं, जब भी पीएमआई 50 से नीचे होता है। इसका उल्टा होता है। भारत की मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों की वृद्धि दर में लगातार दूसरे महीने गिरावट देखने को मिली है और मई में यह तीन महीने के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई है। यह जानकारी एक निजी कंपनी की रिपोर्ट में दी गई। एचएसबीसी इंडिया की मैन्युफैक्चरिंग परचेसिंग इंडेक्स गिरकर 57.5 रह गई है, जो कि अप्रैल में 58.8 अंक पर थी। सर्वे में बताया गया कि पीएमआई के आंकड़े में गिरावट की वजह गर्मी के कारण काम के घंटे का कम और लागत में इजाफा होना है।

भारत कनाडा के लिए दूसरा खतरा.... रिपोर्ट में 44 बार भारत का जिक्र

टोरंटो (ईएमएस)। खालिस्तान के मामले पर भारत के साथ बीते साल से ही भारत और कनाडा के बीच रिश्ते बिगड़े हुए हैं। कनाडा की संसदीय समिति की रिपोर्ट इन रिश्तों में और तनाव पैदा कर सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कनाडा के लोकतंत्र के लिए भारत दूसरा सबसे बड़ा खतरा है। जबकि पहला खतरा चीन है। वहीं राष्ट्रपति जस्टिन टूडो ने कहा कि वह विदेशी दखल के मामले को गंभीरता से ले रहे हैं। नेशनल सिक्योरिटी एंड इंटेलिजेंस कमेटी ऑफ पार्लियामेंटेरियन की रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

कनाडा और भारत के रिश्ते पिछले साल तब बिगड़ गए थे, जब राष्ट्रपति जस्टिन टूडो ने खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ बताया था। लेकिन भारत ने बेहूदा और आधारहीन आरोप बताकर खारिज कर कनाडा से सबूत की मांग की थी। अब तक कनाडा ने मामले में कोई सबूत नहीं दिया है। हालांकि पिछले दिनों कनाडा में 4 लोगों को मामले में अरेस्ट किया गया था, जो पंजाबी मूल के ही हैं।

रिपोर्ट में चीन को सीधे तौर पर कनाडा के लोकतंत्र के लिए खतरा बताया गया है और दखल देने वाला देश माना गया है। रिपोर्ट में कहा गया, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का घरेलू तौर पर और विदेश में वर्चस्व स्थापित करने के लिए चीन की ओर से कनाडा के लोकतंत्र में दखल दिया जाता है।

कनाडा के पैनल की 84 पेजों की रिपोर्ट में भारत का जिक्र 44 बार हुआ है। कनाडा की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और संस्थानों में दखल, नेताओं को टारगेट करने और समुदायों को निशाना बनाने को इस रिपोर्ट का आधार बनाया गया है। अब तक भारत की ओर से कनाडा की इस रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

तालिबान ने महिलाओं सहित 60 लोगों पर बरसाए कोड़े.......यूएनएएमए ने की निंदा

जिनेवा (ईएमएस)। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) ने सारी पुल प्रांत में तालिबान द्वारा एक दर्जन से अधिक महिलाओं सहित 60 से अधिक लोगों को सार्वजनिक रूप से कोड़े मारे जाने की निंदा की।

यूएनएएमए ने बयान में कहा कि अफगानिस्तान के अधिकारियों ने करीब 63 लोगों को कोड़े मारे। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने इसकी कड़ी निंदा कर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों का सम्मान करने के लिए कहा।

तालिबान के सुप्रीम कोर्ट ने बयान में 14 महिलाओं सहित 63 लोगों को सार्वजनिक रूप से कोड़े मारे जाने की पुष्टि की। इन लोगों पर अप्राकृतिक यौन उत्पीड़न, चोरी और अनैतिक संबंधों जैसे अपराधों में शामिल होने का आरोप लगाया गया था। उन्हें एक खेल स्टेडियम में कोड़े मारे गए।

तालिबान ने एक उदार शासन देने के वादों के बावजूद, 2021 में फिर से सत्ता पर काबिज होने के बाद सार्वजनिक रूप से कठोर दंड देना शुरू कर दिया। वे लोगों को किसी भी अपराध के लिए फांसी, कोड़े मारना और पत्थर मारने जैसे दंड देते हैं।

पुतिन ने जर्मनी को दी चेतावनी बोले- यूक्रेन की मदद की तो अंजाम भुगतना पड़ेंगे

मॉस्को(ईएमएस)। बीते दो सालों से रुस और यूक्रेन के बीच जंग छिड़ी हुई है। दोनों ही देश अपनी अपनी अकड़ में हैं और दुनिया के कुछ देश आग में घी का काम कर रहे हैं। जबकि आम आदमी को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। अब यह युद्ध खतरनाक मोड़ पर आ गया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूरोपीय देश जर्मनी को चेतावनी दी है कि अगर उसने यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति की तो अंजाम भुगतने होंगे। पुतिन ने कहा कि जिस तरह पश्चिमी देश यूक्रेन को मदद कर रहे हैं, वह भी उनके खिलाफ युद्ध में कुछ देशों को हथियार सप्लाई पर विचार कर रहा है। रूस ने जर्मनी को चेताया कि अगर वो नहीं रुका तो हमारे बीच के संबंध हमेशा के लिए समाप्त हो जाएंगे।

दरअसल, जर्मनी ने हाल में अमेरिका के साथ मिलकर यूक्रेन को रूसी धरती पर कुछ लक्ष्यों पर हमला करने के लिए अधिकृत किया है और इसके लिए वह कीव को लंबी दूरी के हथियारों की आपूर्ति कर रहा है। पुतिन ने कहा कि यूक्रेन को जर्मन टैंकों की आपूर्ति किया जाना रूस में कई लोगों के लिए एक झटका था। उन्होंने कहा, ''अब अगर वे रूसी क्षेत्र में प्रतिष्ठानों पर हमला करने के लिए मिसाइलों का उपयोग करते हैं तो इससे रूस और जर्मन के संबंध पूरी तरह से बर्बाद हो जाएंगे।'' पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मंच के इतर 'एसोसिएटेड प्रेस' समेत अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों के पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए यह बात कही। इसके अलावा अमेरिकी चुनाव को लेकर पुतिन ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में भले ही किसी की भी जीत हो, इससे रूस-अमेरिका संबंधों में कोई बदलाव नहीं होगा। पुतिन ने कहा, अमेरिका के लोग जिस किसी को भी राष्ट्रपति चुनेंगे, हम उसके साथ काम करेंगे। पुतिन ने यह भी कहा कि एक पॉर्न स्टार को गुप्त तरीके से धन देने के मामले में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पिछले सप्ताह दोषी ठहराया जाना ''आंतरिक राजनीतिक संघर्ष के तहत अदालती प्रणाली के इस्तेमाल'' का परिणाम है।

आईटी रिटर्न देर से फाइल करने वाली कंपनियों को राहत नहीं, दिल्ली हाई कोर्ट ने रिट याचिका की खारिज

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक आईटी कंपनी द्वारा दायर रिट याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें वित्त वर्ष 20 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने में देरी को माफ करने की मांग की गई थी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने इस देरी को माफ करने के लिए आईटी अधिनियम की धारा 119 के तहत उसे दी गई शक्तियों को लागू करने से इनकार कर दिया था। इस आदेश की आयकर अधिकारियों सहित कर समूहों में व्यापक रूप से चर्चा हो रही है। समय पर रिटर्न दाखिल न करने का एक बड़ा नतीजा यह है कि घाटे को आगे ले जाने से, जो आमतौर पर बाद की आठ साल की अवधि में उपलब्ध होता है, इनकार कर दिया जाता है, साथ ही कई कर लाभ भी मिलते हैं। एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि यह आदेश करदाताओं द्वारा वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन करने में ढीला रवैया अपनाने के मामलों को कम करेगा। आयकर विभाग के एक वरिष्ठ स्थायी वकील और मामले का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों ने कहा कि करदाताओं की दलीलें जैसे कि कोविड हुई देरी एक बार की चूक थी या यहां तक कि वित्तीय संकट के कारण थी, तथ्यात्मक रूप से गलत साबित हुईं और उच्च न्यायालय द्वारा इसे गैर-टिकाऊ पाया गया। महामारी के कारण प्रभावित हुए कई करदाताओं को अपना आई-टी रिटर्न दाखिल करना और अपना बकाया भुगतान करना मुश्किल हो गया था। वित्त वर्ष 20 के लिए सीबीडीटी ने आईटी रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा 15 फरवरी, 2021 बड़े करदाताओं के लिए जो कर ऑडिट करने के लिए बाध्य हैं और अन्य के लिए 10 जनवरी, 2021 तक बढ़ा दी थी। फिर भी कुछ करदाताओं ने विस्तारित नियत तारीख से परे आई-टी रिटर्न दाखिल करने में देरी के लिए माफी मांगना जारी रखा।

हाईकोर्ट ने पाया कि लावा इंटरनेशनल द्वारा माफ़ी की प्रार्थना करते समय अधिकारियों ने विभिन्न तथ्यों को ध्यान में रखा था। कंपनी के पास अपना आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए 15 फ़रवरी, 2021 तक का समय था, फिर भी इसके वित्तीय विवरण 31 जुलाई, 2020 को हस्ताक्षरित किए गए थे, लेकिन इसने 30 मार्च, 2021 को ही आयकर रिटर्न दाखिल किया। यह लापरवाही को दर्शाता है। यह नोट किया गया कि कंपनी ने कई मामलों में देरी से आयकर रिटर्न दाखिल किया था, वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए देरी कोई असामान्य बात नहीं थी। कारण बताओ नोटिस के जवाब में कंपनी ने देरी के लिए वित्तीय और नकदी की कमी को जिम्मेदार ठहराया. हालांकि, संबंधित अवधि के वित्तीय विवरणों में 24.8 करोड़ रुपये का लाभ और 12.3 करोड़ रुपये का नकद प्रवाह दिखाया गया, जो किसी भी वित्तीय कठिनाई को नहीं दर्शाता है। हाईकोर्ट ने कहा कि धारा 119(2) के तहत क्षमादान की शक्ति का इस्तेमाल केवल असाधारण परिस्थितियों से निपटने के लिए किया जा सकता है, जिससे वैधानिक अनुपालन में देरी हो सकती है। इसका नियमित रूप से इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है।

सेबी ने शेयरों में सीधे भुगतान प्रक्रिया की अनिवार्य

नई दिल्ली (ईएमएस)। बाजार नियामक सेबी ने ग्राहकों के खाते में शेयरों के सीधे भुगतान की प्रक्रिया को अनिवार्य बनाने का निर्णय लिया। परिचालन दक्षता बढ़ाने और ग्राहकों की प्रतिभूतियों के जोखिम को कम करने के लिए यह कदम उठाया गया है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक परिपत्र में कहा कि यह 14 अक्टूबर से प्रभावी होगा। वर्तमान में क्लीयरिंग कारपोरेशन प्रतिभूतियों के भुगतान को ब्रोकर के खाते में जमा करता है। उसके बाद इसे संबंधित ग्राहक के डीमैट खातों में जमा किया जाता है। सेबी ने शेयर बाजारों, क्लीयरिंग कारपोरेशन और डिपॉजिटरी के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद फैसला किया है। भुगतान के लिए क्लीयरिंग कारपोरेशन निगम सीधे संबंधित ग्राहक के डीमैट खाते में जमा करेगा। इसके अलावा क्लीयरिंग कारपोरेशन को मार्जिन ट्रेडिंग सुविधा के तहत बिना भुगतान वाली प्रतिभूतियों और वित्तपोषित शेयरों की पहचान करने के लिए कारोबारी सदस्य या क्लीयरिंग सदस्यों के लिए एक व्यवस्था प्रदान करनी चाहिए। सेबी ने सुझाव दिया है कि पोजिशन के स्तर पर अगर कोई कमी रहती है तो कारोबारी सदस्य या क्लीयरिंग सदस्यों को नीलामी की प्रक्रिया के माध्यम से इसका निपटान करना चाहिए। इसके अलावा ऐसे मामलों में ब्रोकर को क्लीयरिंग कारपोरेशन की तरफ से लगाए गए शुल्क के अलावा ग्राहक पर कोई शुल्क नहीं लगाना चाहिए।

इजरायल ने स्कूल में रह रहे बच्चों और महिलाओं पर बरसाए बम, ३० की मौत

गाजा(ईएमएस)। अबकी बार इजरायली सेना ने मध्य गाजा पट्टी के नुसेरात शिविर में रह रहे निर्दोष लोगों को निशाना बनाते हुए हवाई हमले किए। स्कूल पर किए हमले में कम से कम 30 फिलिस्तीनी मारे गए और कई घायल हो गए। मारे गए लोगो में अधिकांश बच्चे और महिलाएं थीं। हमास द्वारा संचालित गाजा सरकार के मीडिया कार्यालय ने एक बयान में स्कूल पर इजरायल के हमले की निंदा करते हुए इसे भयानक नरसंहार बताया और कहा कि इजरायली सेना द्वारा इन हमलों को जारी रखना नरसंहार के अपराध का स्पष्ट सबूत है। कार्यालय ने कहा कि इजरायल और अमेरिका को मानवता को खतरे में डालने वाले और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करने वाले इन अपराधों की पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। इजरायली पक्ष ने अभी तक इस घटना पर प्रतिक्रिया नहीं दी है।

गुरुवार सुबह चीन की ने गाजा के अस्पताल अधिकारियों के हवाले से बताया कि एक इजरायली लड़ाकू जेट ने स्कूल की कम से कम तीन कक्षाओं पर बमबारी की और कई लोगों को मौत की नींद सुला दिया। इजरायल ने ताजा हमले मीडिल गाजा स्थित एक स्कूल में हुए। इस स्कूल में सैकड़ों फिलिस्तीनियों ने शरण ले रखी है। उधर, अमेरिका आईसीसी के उस कदम पर भड़का हुआ है, जिसमें नेतन्याहू और इजरायली अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हो सकता है। गाजा और राफा में जमकर कत्लेआम कर रही इजरायली सेना पर अमेरिका ने फिलहाल नरमी बरकरार रखी है। अमेरिकी सरकार का कहना है कि वह इजरायल को अपना समर्थन जारी रखेगा। उसने अपनी संसद में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) के इजरायल पर ऐक्शन के खिलाफ कदम उठाने की कार्यवाही शुरू कर दी है।

अंतरिक्ष में ग्रहों ने लगाई परेड दिखी दुर्लभ और अदभुत तस्वीर

लंदन (ईएमएस)। हाल ही में अंतरिक्ष में ग्रहों की परेड दिखाई दी है। दुर्लभ और आश्चर्यजनक तस्वीर में हमारे सौर मंडल के छह ग्रह सुबह से पहले के आकाश में सीधी लाइन में दिखाई दिए। इससे जुड़ी तस्वीर सामने आई है। इसमें बुध, मंगल, बृहस्पति, शनि, यूरेनस और नेपच्यून को एक सीध में देखा जा सकता है। मंगल और शनि एक अर्द्धचंद्र के पास साफ-साफ दिख रहे हैं। जबकि बाकी ग्रहों की स्थिति नग्न आंखों से देखने के लिए बहुत दूर थी। इन तस्वीर में मंगल और शनि एक अर्धचंद्र के पास साफ दिख रहे हैं। जबकि बाकी ग्रह बेहद दूर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक डयूरी ने कहा, मैंने रात 2 बजे के पहाड़ी पर चढ़ने का सोचा। जैसे-जैसे समय जाता गया यह वास्तव में एक विशेष अनुभव था। एक के बाद एक ग्रहों को उभरते देखकर और उनकी तस्वीर खींचना शानदार था। तस्वीर खींचते हुए सौरमंडल में हमारी जगह के बारे में मैंने सोचा जो बेहद छोटी है।

ग्रह संयोजन की यह घटना तब घटित होती है जब दो या उससे ज्यादा ग्रह आकाश में एक साथ करीब दिखाई देते हैं। हालांकि यह पृथ्वी से देखने पर लगता है कि यह ग्रह बेहद करीब हैं, जबवि वास्तव में वह बहुत दूर-दूर हैं। ये संयोजन दुर्लभ नहीं है। लेकिन बाकी ग्रहों का जुड़ना इसे दुर्लभ बना देते हैं। बुध, शुक्र और पृथ्वी हर 39.6 साल में आकाश में 3.6 डिग्री के भीतर संरेखित होते हैं। सौर मंडल के सभी आठ ग्रहों को एक सीध में आने में 396 अरब साल लगेगा। ये ऐसा कुछ है जो कभी नहीं हुआ और न होगा। क्योंकि इससे पहले सूर्य एक बड़ा लाल तारा बन जाएगा। इस प्रक्रिया में वह बुध, शुक्र और संभव है कि पृथ्वी को निगल जाए।

मेक्सिको में बर्ड फ्लू से एक व्यक्ति की मौत, डब्ल्यूएचओ ने की पुष्टि

जिनेवा,(ईएमएस)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि पूर्व एक व्यक्ति जो बर्ड फ्लू से संक्रमित था उसकी अप्रैल में मैक्सिको में मौत हो गई और वायरस के संपर्क का स्रोत अज्ञात था। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि आम लोगों के लिए बर्ड फ्लू वायरस का मौजूदा खतरा कम है। मेक्सिको राज्य के एक 59 वर्षीय व्यक्ति को मेक्सिको सिटी के अस्पताल में भर्ती कराया गया था और 24 अप्रैल को बुखार, सांस, दस्त, मतली के बाद उनकी मौत हो गई। डब्ल्यूएचओ ने एक बयान में कहा कि इस मामले में वायरस के संपर्क का स्रोत अज्ञात है, मेक्सिको में पोल्ट्री में ए(एच5एन2) वायरस की सूचना मिली है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक यह विश्व स्तर पर इन्फ्लूएंजा ए(एच5एन2) वायरस से संक्रमण का पहला मामला था और मेक्सिको में किसी व्यक्ति में एवियन एच5 वायरस का पहला मामला था।

वैज्ञानिकों ने कहा कि यह मामला संयुक्त राज्य अमेरिका में एच5एन1 बर्ड फ्लू के प्रकोप से संबंधित नहीं है, जिसने अब तक तीन डेयरी फार्म श्रमिकों को संक्रमित किया है। मेक्सिको के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि व्यक्ति को क्रोनिक किडनी रोग और टाइप 2 मधुमेह था। जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के इन्फ्लूएंजा विशेषज्ञ एंड्रयू पेकोज़ ने कहा कि इससे व्यक्ति गंभीर इन्फ्लूएंजा के खतरे में पड़ जाता है, यहां तक कि मौसमी फ्लू के साथ भी, लेकिन यह व्यक्ति कैसे संक्रमित हुआ यह एक बड़ा सवाल है। शुरुआती रिपोर्ट पूरी तरह से संबोधित नहीं करती है। मार्च में, मेक्सिको की सरकार ने देश के पश्चिमी मिचोआकेन राज्य में एक अलग परिवार इकाई में ए(एच5एन2) के प्रकोप की सूचना दी। सरकार ने कहा कि ये मामले दूर-दराज के खेतों या मानव स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरे नहीं हैं।

मेक्सिको के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि मामले में व्यक्ति-से-व्यक्ति संचरण का कोई सबूत नहीं मिलता है और पीड़ित के घर के पास के खेतों की निगरानी की गई। स्वास्थ्य मंत्रालय और डब्ल्यूएचओ ने कहा कि व्यक्ति के संपर्क में आए अन्य लोगों में बर्ड फ्लू की पुष्टि नहीं हुई है। बर्ड फ्लू ने मुख्य रूप से संक्रमित पक्षियों के संपर्क के कारण सील, रैकून, भालू और मवेशियों जैसे स्तनधारियों को संक्रमित किया है। वैज्ञानिक वायरस को लेकर सतर्क हैं जो आगे चल कर यह संकेत दे सकते हैं कि यह मनुष्यों में आसानी से फैल सकता है।

एसआईटी आती-जाती रहती है, त्रासदियों को रोका नहीं जा सकता: हाई कोर्ट

राजकोट अग्निकांड की सुनवाई हाईकोर्ट में हुई

अहमदाबाद, ६ जून । राजकोट में टीआरपी गेमज़ोन अग्निकांड में २७ लोगों की मौत के मामले में आज गुजरात हाई कोर्ट में सुनवाई हुई है । सुनवाई के दौरान चार नगर आयुक्तों ने हलफनामा दाखिल किया । राजकोट अग्निकांड मामले पर हाई कोर्ट ने एक बार फिर आरएमसी को फटकार लगाई है । हाई कोर्ट ने सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि एसआईटी आती-जाती रहती है लेकिन त्रासदी नहीं रुकती ।

हाई कोर्ट ने एएमसी से सवाल करते हुए कहा कि यह जानते हुए भी कि गेमज़ोन अवैध है, म्यूनिसिपल अथॉरिटी ने कोई कार्रवाई क्यों नहीं की? क्या आरएमसी अधिकारी आग लगने का इंतज़ार कर रहे थे? हाई कोर्ट ने आगे कहा कि पहली आग लगने के बाद भी सख्त कार्रवाई क्यों नहीं की गई? हाईकोर्ट ने आरएमसी कमिश्नर से एक साल में किए गए काम का हिसाब मांगा ।

आरएमसी कमिश्नर की जिम्मेदारियों को लेकर भी सवाल पूछे गए । हाईकोर्ट ने कहा, क्यों न अन्य अधिकारियों की तरह कमिश्नर को सस्पेंड कर दिया जाए? क्या बड़े अधिकारियों पर कार्रवाई करेगी सरकार? क्या सरकार ऐसी ही एक और आग लगने की घटना का इंतज़ार कर रही है तो अधिकारियों पर कार्रवाई होगी ।'

गौरतलब है कि राजकोट गेम जोन में आग लगने की घटना को आज दस दिन पूरे हो गए हैं, उस वक्त वकील संघ ने कहा था कि घटना होने पर कार्रवाई एक नियमित प्रक्रिया बन गई है । एसआईटी को १० दिन में रिपोर्ट देने को कहा गया था, अब समय मांग रहे हैं । तब तक सबूत नष्ट हो चुके होते हैं । वकील संघ ने अधिकारी को निलंबित करने की मांग की । वकील संघ ने कहा कि बिना बीयू, एनओसी के ढांचे के निर्माण की अनुमति दी जानी चाहिए । लेकिन, इस अग्निकांड में अभी तक कई सबूत हासिल नहीं कर पाने वाली एसआईटी ने सरकार से दो महीने का और समय मांगा है । फिर सरकार ने २८ जून तक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है ।

इससे पहले एसआईटी की जांच में पता चला है कि पुलिस क्लीयरेंस प्रक्रिया की लगभग आधी फाइल गायब हो गई है और आज तक नहीं मिली है । इसके अलावा अन्य दस्तावेजी सबूत भी एसआईटी तलाश रही है ।

गुजरात हाई कोर्ट वकील एसोसिएशन के अध्यक्ष ब्रिजेश त्रिवेदी ने कहा- यह त्रासदी नहीं, बल्कि अपराध है । हत्यारों को माफ नहीं किया जा सकता । सरकार मौत पर लाखों का मुआवजा देकर दुख जताती है । सरकार कार्रवाई करने में विफल रही है । १३ जून को हाईकोर्ट में दोबारा सुनवाई होगी । तमाम दलीलों के बाद हाईकोर्ट ने सभी रिपोर्ट पेश करने के लिए २८ जून तक का समय दिया है ।

गुजरात में गेमिंग जोन और रिक्रिएशन सेंटरों के लिए बनेंगे नए कानून

अहमदाबाद (ईएमएस) राजकोट के टीआरपी गेमिंग जोन अग्निकांड के बाद राज्य का शहरी विकास विभाग नए काम पर लग गया हैं बताया जा रहा है कि आगामी दिनों में गेम जोन और रिक्रिएशन सेंटरों के लिए नया कानून बनाया जाएगा और उसके मुताबिक भविष्य में कार्यवाही की जाएगी जानकारी है कि राज्यभर में गेम जोन और रिक्रिएशन सेंटरों को जल्द ही एक स्पेशल कैटेगरी में रखा जाएगा और इसके लिए सरकार नया कानून बना रही हैं राजकोट अग्निकांड के बाद हरकत में आई सरकार जल्द ही गुजरात कोम्प्रिहेन्सिव जनरल डेवलपमेंट रेग्युलेशन (जीडीसीआर) में संशोधन करेगी और सभी गेम जोन और रिक्रिएशन सेंटरों को स्पेशल कैटेगरी में रखा जाएगी साथ ही इनके लिए अलग से सख्त कानून लागू होगी इसके अलावा गुजरात सरकार फायर एनओसी संबंधित कानून में फेरबदल कर सकती हैं

अमित शाह फिर बन सकते है बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष

अहमदाबाद, ६ जून । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरी बार आठ जून को शपथ ग्रहण कर सकते हैं । इसके पहले उन्हें एनडीए संसदीय दल का नेता चुना जाएगा, लेकिन मोदी ३.० में अमित शाह केंद्रीय गृह मंत्री की भूमिका में होंगे । इसको लेकर सस्पेंस की स्थिति है । सूत्रों की मानें तो गांधीनगर से बड़ी जीत हासिल करने वाले शाह एक बार फिर संगठन में लौट सकते हैं । अक्टूबर-नवंबर में देश के तीन बड़े राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं । ऐसे में बीजेपी के संगठन को मजबूत बनाने के लिए वह फिर पुरानी भूमिका में दिख सकते हैं । जिन राज्यों में चुनाव होना है । उनमें महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड शामिल हैं ।

विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक मोदी मंत्रिमंडल में गृह विभाग की जिम्मेदारी किस दूसरे नेता को दी जा सकती है । एनडीए की पहले की सरकारों में अहम विभाग सहयोगियों के पास रहे हैं । इतना ही लोकसभा अध्यक्ष का पद भी सहयोगियों के पास रह चुका है । अब देखना यह है कि पार्टी एक्टेंशन पर चल मौजूदा अध्यक्ष जेपी नड्डा के कार्यकाल और आगे बढ़ाने का रिस्क लेती है या फिर अमित शाह फिर से अध्यक्ष बनते हैं । गुजरात की बात करें तो राज्य में बीजेपी संगठन में लंबे समय से बदलाव लंबित है । पिछले १० सालों में पहली बार गुजरात में भी कांग्रेस ने सेंध लगाई है । ऐसे में संगठन में बड़ी सर्जरी का काम शाह संभाल सकते हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरी बार शपथ लेने का रास्ता साफ है लेकिन बीजेपी के अंदर पहले जैसा जश्न नहीं है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह राज्य गुजरात में थोड़ी मायूसी है । ऐसे में संभावना यही जताई जा रही है कि अमित शाह पार्टी को मजबूत बनाने का काम खुद संभाल सकते हैं । वह पूर्व में २०१४ से २०२० तक पार्टी अध्यक्ष की कमान संभाल चुके हैं । वह राजनाथ सिंह के बाद पार्टी के अध्यक्ष बने थे । अभी तक बीजेपी में सिर्फ लालकृष्ण आडवाणी ने तीन बार बीजेपी अध्यक्ष की कमान संभाली है । गांधीनगर से इस बार अमित शाह ने ७.४४ लाख वोटों से जीत हासिल की है । गांधीनगर से यह अब तक की सबसे ज्यादा मार्जिन वाली जीत है । शाह २०१९ में पहली बार गांधीनगर से लड़े थे ।

अमित शाह के गृह मंत्री नहीं बनने पर सरकार में इस अहम जिम्मेदारी को कौन संभालेगा? इसको लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है । मोदी के पहले कार्यकाल में इस जिम्मेदारी को राजनाथ सिंह ने संभाला था । दूसरे कार्यक्रम अमित शाह गृह मंत्री बने थे और फिर धारा ३७० हटाने समेत तमाम बड़े फैसले लिए थे । शाह अपनी एक अलग शैली से काम करने के लिए जाने जाते हैं । नए गृह मंत्री के तौर पर संभावित नेताओं में सबसे आगे शिवराज सिंह चौहान का नाम है । चर्चा है कि वह इस जिम्मेदारी को संभाल सकते हैं । शिवराज सिंह मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद केंद्र में भूमिका के लिए काफी समय से तैयार हैं ।

गुजरात में ईएमआई में रिश्वत ले रहे है अधिकारी

गुजरात में ईएमआई के रूप में रिश्वत लेने के कई मामे सामने आए है

अहमदाबाद, ६ जून । गुजरात के कुछ भ्रष्ट अधिकारियों ने रिश्वत लेने का नया तरीका अपनाया है । इस तरीके को सुनकर आपको भी हंसी छूट जाएगी । आपने ईएमआई पर सामान लेने की बात तो सुनी होगी । लेकिन क्या कभी ईएमआई पर रिश्वत लेने के बारे में सुना है । गुजरात में कुछ ऐसे ही मामले सामने आया है । जहां लोगों पर पैसों का ज्यादा बोझ न पड़े इसलिए अधिकारी किश्तों में रिश्वत लेते हैं । ये अधिकारी मासिक किश्तों में पीड़ितों से रिश्वत के पैसे ले रहे हैं ।

गुजरात में ईएमआई के रूप में रिश्वत लेने के कई मामे सामने आए हैं । गुजरात में इस साल भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा ऐसे दस मामले दर्ज किये गए हैं । ये मामले इस प्रकार हैं...

मार्च में एक मामले में जीएसटी फर्जी बिलिंग घोटाले में २१ लाख रुपये की रिश्वत की मांग की गई थी । यह रकम २-२ लाख रुपये की दस किस्तों में और १ लाख रुपये की एक किस्त में बांटी गई थी । यह भारी भरकम एकमुश्त भुगतान से बचने के लिए किया गया था ।४ अप्रैल को सूरत के एक उप सरपंच ने एक ग्रामीण के खेत को समतल करने के लिए ८५,००० रुपये की रिश्वत मांगी । ग्रामीण की वित्तीय स्थिति को देखते हुए, अधिकारी ने श्वरूद्ध का विकल्प सुझाया । उसने ३५,००० रुपये पहले और बाकी तीन बराबर किश्तों में देने के लिए कहा ।

हाल ही में दो पुलिस अधिकारी साबरकांठा निवासी से ४ लाख रुपए लेकर फरार हो गए । यह रकम उनके द्वारा मांगी गई १० लाख रुपए की रिश्वत की पहली किस्त थी । एक अन्य घटना में, एक साइबर अपराध पुलिस अधिकारी ने १० लाख रुपये की रिश्वत को चार मासिक किश्तों में बांटने पर सहमति व्यक्त की ।

डीजीपी ने कही ये बातएसीबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अगर कोई व्यक्तिगत, कार या कोई कीमती चीज खरीदने में असमर्थ है और उसे पूरा भुगतान नहीं कर पाता है, तो वह ईएमआई पर लोन ले लेता है । भ्रष्ट अधिकारी अब रिश्वत के मामले में भी यही तरीका अपना रहे हैं । एसीबी के निदेशक और डीजीपी (कानून व्यवस्था) शमशेर सिंह के अनुसार, यह समस्या का एक छोटा सा हिस्सा हो सकता है । उन्होंने कहा कि एजेंसी ने केवल उन मामलों की रिपोर्ट की है, जहां व्यक्ति प्रारंभिक भुगतान करने के बाद उनसे संपर्क करते हैं ।

हादसे के बाद लड़की ने अपनी एक्टिवा पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी

राजकोट, ६ जून । गुजरात में आम दोपहिया दुर्घटनाएं बड़े विवादों का कारण बनती हैं । राजकोट शहर के कलावल रोड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है । एक हादसा हो गया जिसमें दो लड़कियों की गाड़ी आमने-सामने टकरा गई । इसके बाद गाड़ी खराब होने पर खर्च की मांग कर रही महिला ने गुस्से में आकर अपनी ही एक्टिवा से पेट्रोल निकालकर आग लगा ली । लोगों के बीच चर्चा है कि आग लगाने वाली लड़की नशे में लग रही थी । इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही पुलिस ने लड़की के खिलाफ कार्रवाई की है प्राप्त विवरण के अनुसार, राजकोट के कलावड रोड पर आवास योजना क्वार्टर के पास का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है । जिसमें दो लड़कियां किसी गाड़ी से टकराने को लेकर बहस करती नजर आ रही हैं । जिसमें से गाड़ी से टकराने वाली लड़की हाथ में तेज छेनी लेकर सामने वाली लड़की को डरा रही है और वहां से भागने की कोशिश करती है । लेकिन जबलड़की गाड़ी के सामने खड़ी थी, तो गाड़ी से टकराने वाली लड़की ने उसकी एक्टिवा को गिरा दिया, उसमें पेट्रोल डाला, एक्टिवा पर पेट्रोल डाला और आग लगा दी इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद राजकोट तालुका पुलिस ने कार्रवाई की है । वायरल वीडियो में दिख रही लड़की खुद आवास योजना क्वार्टर में रहती है

गुजरात में सात दिनों तक गरज के साथ बारिश होगी

अहमदाबाद, ६ जून । गुजरात के ऊ पर इस समय एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है जिसके कारण कई इलाकों में बारिश हो रही है । आज मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है कि गुजरात में सात दिनों तक मौसम कैसा रहेगा । जिसमें उन्होंने गुजरात के मॉनसून के बारे में बताया है कि १५ जून से पहले भी मॉनसून गुजरात में बैठ सकता है ।

मौसम विभाग के अहमदाबाद केंद्र के मौसम वैज्ञानिक रामाश्रय यादव ने सात दिनों तक गुजरात के मौसम की भविष्यवाणी की है ।जिसमें उन्होंने कहा है कि अगले सात दिनों तक गरज के साथ बारिश होगी ।आज से अगले सात दिनों तक प्रदेश में छिटपुट बारिश होगी ।इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पहले दो दिनों तक वलसाड, नवसारी, डांग, दमन, दादरा नगर हवेली, दाहोद, छोटाउदेपुर में हल्की बारिश की संभावना है । जबकि सौराष्ट्र का मौसम शुष्क रहेगा और किसी भी हिस्से में बारिश की संभावना नहीं है । रामाश्रय यादव के मुताबिक तीसरे दिन से सौराष्ट्र में भी बारिश शुरू हो जाएगी । सौराष्ट्र के अमरेली, भावनगर, गिरसोमथ और पंचमहल, दाहोद, छोटाउदेपुर, नर्मदा, वलसाड, नवसारी, डांग, दमन, दादरा नगर हवेली में छिटपुट स्थानों पर बारिश का अनुमान है । इसके साथ ही उन्होंने कहा कि चौथे दिन सौराष्ट्र के गांधीनगर, अरावली, खेड़ा, आनंद, पंचमहल, महिसागर, अहमदाबाद, जूनागढ़, अमरेली, भावनगर, गिरसोमठ में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान लगाया गया है ।मौसम विभाग के मुताबिक अगले पांच, छठे और सातवें दिन गुजरात के सभी जिलों में बारिश होगी । वहीं सौराष्ट्र में पांचवें और छठे दिन राजकोट, पोरबंदर, जूनागढ़, अमरेली, भावनगर, गिरसोमथ, द्वारका, दीव में बारिश होने की संभावना है । सातवें दिन सौराष्ट्र और कच्छ के सभी जिलों में छिटपुट बारिश का अनुमान है ।

जुलाई महीने में गुजरात में भारी बारिश दर्ज की जा सकती है । मॉनसून बहुत अच्छा रहेगा । २५ अक्टूबर तक मानसून सक्रिय रहेगा । यह इस दशक का सबसे लंबा मानसून होने की संभावना है । राज्य में तापमान के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगले पांच दिनों तक गुजरात में अधिकतम तापमान में कमी आएगी । पिछले २४ घंटों में अहमदाबाद में तापमान ४१ ।७ डिग्री और गांधीनगर में ४१ ।५ डिग्री रहा । जबकि अगले २४ घंटे में तापमान ४२ डिग्री रहने का अनुमान जताया गया है ।

बोदकदेव में जहां लोग लड़ रहे थे, वहां शिकायत दर्ज करायी गयी

अहमदाबाद, ६ जून । थलाटेज संदीप सोसायटी के पास हिट एंड रन केस में १६ साल की सगीर दीया प्रजापति की मौत हो गई । पुलिस ने हादसे को अंजाम देने वाले नाबालिग के खिलाफ कार्रवाई के बाद उसके पिता और बड़े भाई के खिलाफ भी मामला दर्ज कर लिया है । ट्रैफिक पुलिस ने नाबालिग के पिता को गिरफ्तार कर लिया है । अब इस घटना में एक और पुलिस शिकायत दर्ज की गई है । जब हादसा हुआ तो ड्राइवर समेत तीन लोग बिना किसी अफसोस के लोगों से भिड़ गए । इस मामले में बोदकदेव पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और नाबालिग के साथ घटना को अंजाम देने वाले आरोपी की तलाश कर रही है । थलतेज में संदीप की सोसायटी में रहने वाले संदीपभाई प्रजापति का शीलाज में एक होटल है । पिछली ३१ तारीख को जब उनकी १६ साल की बेटी दीया घर से बाहर गई तो फॉर्च्यूनर लेकर जा रहे एक नाबालिग ने दीया को टक्कर मार दी । इलाज के दौरान दीया की मौत हो गई । इस मामले में एन डिवीजन ट्रैफिक पुलिस ने नाबालिग के खिलाफ मामला दर्ज किया और बाद में नाबालिग के पिता और भाई के खिलाफ भी मामला दर्ज किया । घटना के वक्तनाबालिग ने कुछ लोगों को बुला लिया । इन लोगों ने मौके पर आकर सोसायटी के लोगों और संदीप भाई के जानकार से मारपीट की । इन लोगों ने तुम्हें पीटा, हमारा नाम पूछने वाले तुम सबको ख़त्म कर देने की धमकी दी । इस मारपीट में संदीप भाई के चचेरे भाई को भी चोटें आईं । तो अब इस मामले में दीया के पिता ने बोदकदेव थाने में एक नाबालिग समेत तीन लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है । एक्सीडेंट कर नाबालिग की हत्या करने वाला नाबालिग अपने साथियों के साथ मौके पर ही भिड़ गया और मारपीट की । ट्रैफिक पुलिस ने नाबालिग के पिता गोविंद भरवाड को भी नाबालिग होने के बावजूद लापरवाही से कार चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया । चूंकि जिस कार से नाबालिग का एक्सीडेंट हुआ वह उसके भाई के नाम पर थी, इसलिए अब ट्रैफिक पुलिस ने नाबालिग के बड़े भाई नीलेश भरवाड को भी गिरफ्तार कर लिया है और सभी को कानून का पाठ पढ़ाया है ।

रिक्शे में यात्री के भेष में व्यापारी से ७५ हजार की चोरी

अहमदाबाद, ६ जून । महंगाई के इस दौर में सही तरीके से पैसा कमाना मुश्किल होता जा रहा है और इसके उलट जब से गलत तरीके से पैसा कमाना आसान हो गया है, कुछ लोग कमाई का गलत तरीका चुन लेते हैं क्योंकि यह आसान है और ज्यादा कमाने का लालच कम समय उन्हें गलत रास्ते पर ले जाता है, इसका उन्हें खुद भी पता नहीं चलता । समय के साथ वे गलत रास्ते पर इतना आगे बढ़ गए हैं कि आपके लिए पीछे मुड़ना मुश्किल हो गया है । और वे कमाई का यही तरीका चुनते हैं । हाल ही में ऐसा ही एक मामला शहर में हुआ ।

मेहसाणा का एक कपड़ा व्यापारी कपड़ा खरीदने के लिए अहमदाबाद आता था और वह व्यापार करने के लिए अहमदाबाद से मेहसाणा कपड़ा ले जाता था । रोजाना की तरह वह और उसका दोस्त सामान लेने के लिए कालूपुर आए थे । रिक्शे में जाते समय रिक्शे में सवारियों के भेष में बैठे लुटेरों ने कारोबारी के दोस्त की जेब से ७५ हजार रुपये निकाल लिये । बाद में रिक्शा चालक ने व्यवसायी और उसके दोस्त को यह कहते हुए रिक्शा से उतार दिया कि वे बैठना नहीं चाहते ।

मूल रूप से मेहसाणा के गोज़रिया में रहने वाला एक व्यापारी कपड़े का कारोबार करता है । पिछले मई में, व्यवसायी और उसका दोस्त ठीक हो गए और सामान लेने के लिए अपना लोडिंग रिक्शा ले आए । उसने अपना लोडिंग रिक्शा बापूनगर चार रास्ता के पास खड़ा किया और बापूनगर चार रास्ता से कालूपुर जाने के लिए रिक्शा में बैठ गया ।

कारोबारी ने अपने दोस्त को ७५ हजार रुपये दे दिये । जब दोनों दोस्त रिक्शे में बैठे तो रिक्शे की पिछली सीट पर पहले से ही एक शख्स बैठा हुआ था ।

रिक्शा चालक ने व्यापारी को आगे बैठाया, बाद में थोड़ा आगे जाकर रिक्शा में एक और यात्री आया, तब रिक्शा चालक ने व्यापारी और उसके दोस्त को बताया कि वे नहीं बैठे थे और उन्हें बापूनगर भिडबंजन चार रोड के पास छोड़ दिया । दोनों दोस्तों के रिक्शा से उतरने के बाद जेब चेक करने पर ७५ हजार रुपये नहीं मिले । जिसके बाद कारोबारी ने बापूनगर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और पुलिस ने जांच शुरू की ।

अहमदाबाद में एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति को ८६ लाख की साइबर चपत लगी

ब्रोकर के रूप में काम करने वाला एक अधेड़ उम्र का व्यक्तिसोशल मीडिया पर विज्ञापन दिए जाने के बाद शेयर बाजार में फंस गया

अहमदाबाद, ६ जून । अहमदाबाद में जमीन की दलाली का काम करने वाले एक अधेड़ उम्र के व्यक्तिको शेयर बाजार में निवेश कर अधिक मुनाफा कमाने का लालच देकर साइबर गाठिया ने रुपये ऐंठ लिए । ८६ लाख का चूना लगाया गया । रुद्रेश रसिकलाल रावल (५४) सिंधुभान रोड पर मैपल-२ में रहते हैं और जमीन ला-वेच का काम करते हैं । १७ अप्रैल को जब वह इंस्टाग्राम पर जा रहे थे तो एक घोषणा हुई कि वह शेयर बाजार में निवेश कर रोजाना दो फीसदी मुनाफा कमा सकते हैं ।

तो रावल ने दिलचस्पी दिखाई और उस लिंक पर क्लिक कर दिया । जिसमें उसे पूनम शर्मा ने सैक्सो भारत एक्सचेंज ७९ नामक ग्रुप में जोड़ा था । वहां अभिषेक शर्मा भी थे । रावल ग्रुप में ऐड होने के बाद एडमिन ने उन्हें अलग-अलग अकाउंट में ऐड कर अलग-अलग टिप्स देना शुरू कर दिया ।

पूनम और अभिषेक के मुताबिक, उन्होंने और उनके दोस्त अमित पटेल ने शेयर बाजार के लिए अलग-अलग खातों में ८६ लाख रुपये जमा किए थे, जिससे रावल को कुछ भरोसा हुआ । गिरोह ने रावल और अमित को उनके निवेश पर ढाई करोड़ का मुनाफा दिखाया । अब जब उन्होंने पैसे निकालने की कोशिश की तो पूनम और अभिषेक ने उनका फोन रिसीव करना बंद कर दिया । जिसके बाद रावल ने जांच की तो पता चला कि उसने सैक्सो बैंक कंसल्टिंग ग्रुप बनाकर स्टॉक मार्केट टिप्स देने के नाम पर लोगों से पैसे वसूले थे । ठगे जाने का अहसास होने पर उन्होंने साइबर क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई ।

ले ट्रैवेन्यूज़ टेक्नोलॉजी लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम 10 जून, 2024 को खुलेगा

अहमदाबाद, 06 जून, 2024: ले ट्रैवेन्यूज़ टेक्नोलॉजी लिमिटेड (``ixigo" या ''कंपनी''), सोमवार, 10 जून, 2024 को इक्विटी शेयरों के अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के संबंध में अपनी बोली/प्रस्ताव खोलेगी।

कुल ऑफर साइज़ में रू. 1 मूल्य के इक्विटी शेयरों का नया निर्गम शामिल है, जो कुल रू. 1,200.00 मिलियन तक है (नया निर्गम)। इसमें विक्रय शेयरधारकों (नीचे परिभाषित) द्वारा रू. 1 अंकित मूल्य के 66,677,674 इक्विटी शेयरों की बिक्री के लिए ऑफर फॉर सेल (ठबिक्री के लिए प्रस्तावठ) भी शामिल है।

एंकर निवेशक बोली की तिथि शुक्रवार, 07 जून, 2024 होगी। बोली/प्रस्ताव सदस्यता के लिए सोमवार, 10 जून, 2024 को खुलेगा और बुधवार, 12 जून को बंद होगा।

ऑफर का प्राइस बैंड रू. 88 से रू. 93 प्रति इक्विटी शेयर है। न्यूनतम 161 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 161 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियाँ लगाई जा सकती हैं।

बिक्री के लिए प्रस्ताव में सैफ पार्टनर्स इंडिया लिमिटेड द्वारा 19,437,465 इक्विटी शेयरों तक, पीक XV पार्टनर्स इन्वेस्टमेंट V (जिसे पहले एण्ध इन्वेस्टमेंट V के रूप में जाना जाता था) द्वारा 13,024,000 इक्विटी शेयरों तक, आलोक बाजपेयी द्वारा 11,950,000 इक्विटी शेयरों तक, रजनीश कुमार द्वारा 11,950,000 इक्विटी शेयरों तक, माइक्रोमैक्स इंफॉर्मेटिक्स लिमिटेड द्वारा 5,486,893 इक्विटी शेयरों तक, प्लासिड होल्डिंग्स द्वारा 3,048,375 इक्विटी शेयरों तक, मैडिसन इंडिया ऑपर्च्युनिटीज ट्रस्ट फंड के ट्रस्टी के रूप में कैटेलिस्ट ट्रस्टीशिप लिमिटेड (पूर्ववर्ती माइलस्टोन ट्रस्टीशिप सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड) द्वारा 1,333,513 इक्विटी शेयरों तक और मैडिसन इंडिया कैपिटल एचसी (सामूहिक रूप से, ``Selling Shareholders") शामिल है।

यह इक्विटी शेयर कंपनी के 4 जून, 2024 के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए जा रहे हैं, जो रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज, दिल्ली और हरियाणा, नई दिल्ली (आरएचपी) के पास दाखिल किए गए हैं और इन्हें बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स लिमिटेड और जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड इस ऑफर के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं (सामूहिक रूप से, बीआरएलएम)।

8 और 15 जून की पोरबंदर-दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग से चलेगी

उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल में इंजिनियरिंग कार्य हेतु ब्लॉक लिये जाने के कारण राजकोट मंडल से होकर जाने वाली पोरबंदर-दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग से होकर चलेगी। 8 और 15 जून, 2024 को पोरबंदर से चलने वाली ट्रेन नंबर 20937 पोरबंदर-दिल्ली सराय रोहिल्ला सुपरफास्ट एक्सप्रेस अपने निर्धारित मार्ग मारवाड़-अजमेर-फुलेरा-जयपुर-अलवर-रेवाड़ी की जगह परिवर्तित मार्ग वाया मारवाड़-जोधपुर-मेड़तारोड-डेगाना-रतनगढ़-चुरू-लोहारू-रेवाड़ी होकर चलेगी। जिन स्टेशनों पर यह ट्रेन नहीं जाएगी उसमें ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, फुलेरा, जयपुर, बाँदीकुई, अलवर और खैरथल शामिल हैं।

रेल यात्रियों से निवेदन है कि वे उपरोक्त फेरबदल को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा प्रारम्भ करें और ट्रेनों के परिचालन संबन्धित नवीनतम अपडेटस की जानकारी के लिए www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन करें ताकि किसी प्रकार कि असुविधा ना हो।

एनडीडीबी अध्यक्ष ने मोबाइल मिल्क कलेक्शन और कूलिंग सिस्टम को हरी झंडी दिखाई

6 जून, 2024, आनंद: एनडीडीबी और आईडीएमसी लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ. मिनेश शाह और सुजुकी आर एंड डी सेंटर इंडिया प्रा. लिमिटेड (एसआरडीआई) के निदेशक श्री केनिचिरो टोयोकुकु ने 6 जून, 2024 को आनंद में एनडीडीबी, एसआरडीआई और एनडीडीबी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी आईडीएमसी लिमिटेड द्वारा डिजाइन और विकसित मोबाइल दूध संग्रह और शीतलन प्रणाली को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर एनडीडीबी के कार्यकारी निदेशक, आईडीएमसी लिमिटेड के एमडी और बनास डेयरी के एमडी उपस्थित थे।

श्री टोयोकू ने कहा, 'हमें खुशी है कि सुजुकी के सुपर कैरी मॉडल का उपयोग अब मोबाइल दूध संग्रह के माध्यम से पशुपालकों को सुविधा प्रदान करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन के लिए किया जाएगा, जिससे दूध की गुणवत्ता में सुधार करने में भी मदद मिलेगी।'

आईडीएमसी के 300 एल. बीएमसी को मारुति सुजुकी सुपर कैरी वाहन पर लगाया गया है, जो वाहन के इंजन द्वारा संचालित है। वाहन में डेटा-प्रोसेसर आधारित दूध संग्रह इकाई (डीपीएमसीयू) भी लगी है, जो 100 वाट के सौर पैनल द्वारा संचालित है।

डीपीएमसीयू और अन्य संबंधित सहायक उपकरण को एनडीडीबी द्वारा वित्तपोषित किया गया है, जबकि बीएमटीसीसी और समग्र निर्माण/असेंबली व्यवस्था को आईडीएमसी लिमिटेड द्वारा नियंत्रित किया गया है। वाहन को एसआरडीआई द्वारा वित्त पोषित किया गया है और डैन इंटरनेशनल ने संघनक इकाई प्रदान की है।

अहमदाबाद मण्डल द्वारा ''अंतर्राष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता दिवस ''का आयोजन

पश्चिमरेलवे के अहमदाबाद मंडल पर 06 जून 2024 को अंतर्राष्ट्रीय समपार फाटक (लेवल क्रासिंग) जागरूकता दिवस मनाया गया, जिसमेंरेलवे समपार फाटक को सुरक्षितपार करने के लिए बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में सड़क उपयोगकर्ताओं तथा उस क्षेत्र के आसपास रहने वाले नागरिकों एवं ग्रामीणों को जागरूक किया गया। तथा मोटर व्हिकल एक्ट 1988 की धारा 131, रेलवे एक्ट 1989 की धारा 160 तथा 161 में वर्णित उपबंधों के बारे में समझाया गया।

वरिष्ठ मण्डल संरक्षा अधिकारी श्री उमेश प्रसाद ने बताया कि लेवल क्रासिंग पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रति वर्ष जून माह में अंतर्राष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता दिवस का आयोजन किया जाता है। निम्नलिखित बिन्दुओं पर भी सड़क उपयोगकर्ताओं तथा उस क्षेत्र के नागरिकों एवं ग्रामीणों को जागरूक किया गया :

रेलवे समपार फाटक बंद होते समय तथा बंद होने के बाद रूकिय,गेट बूम से छेड़छाड़ न करें, गेट खुलने के बाद ही उसे पार करें, गेट पार करते समय मोबाइल फोन / इयर फोन का उपयोग न करें,जल्दीबाजी में अपनी जान खतरे में न डालें।

सहायक मण्डल संरक्षा अधिकारी श्री हेमंत माथुर के अनुसार इस अभियान के दौरान मंडल के विभिन्न समपार फाटकों पर बैनर प्रदर्शित करके एवं पम्पलेट के माध्यम से संरक्षा विभाग, सुरक्षा विभाग, इंजीनियरिंग, सिगनल एवं दूरसंचार तथा नागरिक सुरक्षा दल के द्वारा सड़क उपभोगकर्ताओ को जागृत किया गया।

8 जून से 4 महीने के लिए भुज-पालनपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस निरस्त

पश्चिम रेलवे द्वारा तकनीकी कारणों से ट्रेन संख्या 20928/20927 भुज-पालनपुर-भुज इंटरसिटी एक्सप्रेस को 08 जून 2024 से 07 अक्टूबर 2024 तक निरस्त करने का निर्णय लिया गया है तथा ट्रेन संख्या 19405/19406 गांधीधाम-पालनपुर-गांधीधाम एक्सप्रेस ट्रेन यथावत समयानुसार चलेगी। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः

ट्रेन संख्या 20928/20927 भुज-पालनपुर-भुज इंटरसिटी 08 जून 2024 से 07 अक्टूबर 2024 तक निरस्त रहेगी।

यात्री कृपया ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट www.enquiry.indian rail.gov.in का अवलोकन करें।

9 जून को चलेगी अहमदाबाद और गोरखपुर के बीच वन-वे स्पेशल ट्रेन

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग व सुविधा को ध्यान में रखते अहमदाबाद और गोरखपुर के बीच वन वे स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर चलाने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः

ट्रेन संख्या 09461 अहमदाबाद-गोरखपुर स्पेशल (एक फेरा) 9 जून 2024 रविवार को अहमदाबाद से 15.10 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 21.00 बजे गोरखपुर पहुंचेगी।

मार्ग में यह ट्रेन नडियाद, आणंद, छायापुरी, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, निशातपुरा, बीना, ललितपुर, वीरांगना लक्ष्मीबाई, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, गोंडा, मनकापुर और बस्ती स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में सेकंड एसी, स्लीपर श्रेणी एवं सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे।

ट्रेन संख्या 09461 की बुकिंग 07 जून 2024 से यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू है। ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे - अहमदाबाद मण्डल

पुल कार्य

ई-निविदा सूचना सं. 03 वर्ष 2024-25 दिनांक: 28/05/2024 क्रम सं.1: ई-निविदा सं. डीवायसीई-बीआर-एडीआई-04-2024-25 (1) कार्य का नाम: अहमदाबाद जं. - साबरमती BG - वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (पुल) अहमदाबाद के अधिकारक्षेत्र आधिन विभिन्न ROB का अवस्था आधार पर मध्यावधि पुनर्वसन करने का कार्य । (2) एनआईटी की अनुमानित लागत: ₹ 2,31,32,427.37/- (3) बीड सिक्युरीटी लागत/ईएमडी: ₹ 2,65,700.00/- (4) ई-निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: दिनांक: 25/06/2024 को 15:00 बजे । (5) कार्यालय का पता: उप मुख्य अभियंता (पुल) अहमदाबाद, मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय परिसर, गुजरात कैंसर सोसायटी अस्पताल के सामने, असारवा, नरोडा रोड, अमदुपुरा, अहमदाबाद, गुजरात-380016. (6) ई-निविदा में भाग लेने हेतु वेबसाईट: www.ireps.gov.in ADI-053

हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन   E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467   R.N.I. 63177/ 95